

तमिलनाडु की थेनी जेल में उपद्रव, पुलिसकर्मियों पर हमलाकर 17 कैदी भागे, 4 पकड़े गए

नई दिल्ली/एजेंसी: तमिलनाडु की थेनी जेल से 17 कैदी फिल्मी अंदाज में फरार हो गए। बताया जाता है कि एक कैदी ने सीने में दर्द का नाटक किया। उसके उपचार के लिए जब पुलिसकर्मी वहां पहुंचे तो कैदियों ने उन पर हमला कर दिया और एक-एक कर 17 कैदी वहां के भाग गए। इसके बाद पुलिस तुरंत एक्शन में आई और इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान गहन तलाशी के बाद 4 कैदियों को पकड़ लिया गया है। फरार कैदियों में से एक नाम प्रवीण है, जिसे जेल के पास वाले जंगल वाले इलाके से पकड़ा गया। वहीं, जिले के थेवरम से सिलंबरासन नाम के एक कैदी को पकड़ा है। इसके अलावा राजकुमार और राजा सिकंदर को भी गिरफ्तार कर लिया है। वारदात की जानकारी थेनी के एसपी प्रवीण गौतम को दी गई। जिसके बाद उन्होंने खुद जेल का दौरा किया और वारदात की जांच की। उधर, दक्षिणी जान के आईजी विजयेंद्र बिटारी ने भी जेल का दौरा किया और उन्होंने जेल गार्ड से घटना के बारे में पूछताछ की। वारदात के बाद आस-पास के जिलों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया और हाई अलर्ट पर रखा गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना में जेल में कैदियों के हमले में जेल से जुड़े पुलिस कर्मी के सिर में चोट लगी है। उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, दो और पुलिसकर्मियों को भी मामूली चोटें आई हैं।

गुवाहाटी के 'होटल बिलास इन' में 5 लोगों की नृशंस हत्या, लीज विवाद में अंधाधुंध गोलीबारी



गुवाहाटी : असम की राजधानी गुवाहाटी के पांश इलाके बोरा सर्विस स्थित 'होटल बिलास इन' में सोमवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। पट्टे (लीज) के समझौते को लेकर हुए मामूली विवाद ने देखते ही देखते नरसंहार का रूप ले लिया, जिसमें होटल मालिक, उनके परिवार के सदस्यों और कर्मचारियों समेत 5 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। पुलिस ने मुस्तेदी दिखाते हुए वारदात के महज एक घंटे के भीतर ही मुख्य आरोपी घनकांत गोंगोई को गिरफ्तार कर लिया और हत्या में इस्तेमाल लाइसेंसी हथियार बरामद कर लिया।

पुलिस कमिश्नर पार्थ सारथी महंत ने बताया कि आरोपी की पहचान घनकांत गोंगोई के रूप में हुई है। उसे घटना के एक घंटे के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया गया और हमले में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है।

यह गोलीबारी सोमवार रात करीब 9-10 बजे हुई। बताया जा रहा है कि उस समय लीज एग्रीमेंट को लेकर गोंगोई और होटल मालिक के बीच बहस हो गई थी। यह विवाद काफी समय से चल रहा था। शुरूआती जानकारी के अनुसार, गोंगोई ने लाइसेंसी I32 कैलिबर की पिस्तौल से होटल के अंदर कई राउंड फायरिंग की। जब कुछ लोगों ने बीच-बचाव करके हमलावर को रोकने की कोशिश की, तो होटल के कुछ कर्मचारी भी गोलीबारी की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम किया। होटल से शुरूआत में 4 शव मिले, जिनमें से कुछ रिसेशन एरिया के पास थे। बाद में मरने वालों की संख्या बढ़कर 5 हो गई।

विवाद किस बात को लेकर था : शुरूआती जानकारी से पता चलता है कि यह गोलीबारी होटल के लीज एग्रीमेंट को लेकर हुए विवाद से जुड़ी है। बताया जा रहा है कि गोंगोई ने पिछले साल होटल लीज पर लिया था, और इस समझौते को लेकर उसके और होटल मालिक के परिवार के बीच तनाव चल रहा था।सोमवार रात दोनों पक्षों के बीच लीज को लेकर बहस हुई, जिसके बाद गोंगोई ने फायरिंग कर दी। जांच में यह भी सामने आया है कि होटल मालिक ने यह प्रॉपर्टी अलग-अलग लोगों को लीज पर दी थी। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि विवाद की असल वजह क्या थी और किन हालात में यह मामला इतनी भयानक गोलीबारी में बदल गया।

आरोपी गिरफ्तार, मृतकों और घायलों का ब्योरा: वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भागने की फिराक में था, लेकिन गुवाहाटी पुलिस ने तत्काल घेराबंदी करते हुए घटना के एक घंटे के भीतर घनकांत गोंगोई को धर दबोचा। उसके पास से कल्ट में इस्तेमाल । 32 कैलिबर की लाइसेंसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस भी जब्त कर लिए गए हैं।

नई दिल्ली: भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान एकतरफा फैसले लेने के आरोपों को सिरि से खारिज कर दिया है। देश की सर्वोच्च अदालत में दाखिल एक विस्तृत जवाबी हलफनामे में आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े सभी तीन मुख्य आदेश आयोग के तीनों सदस्यों की पूर्ण सर्वसम्मति से पारित किए गए थे और इनमें कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अक्षरशः पालन किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल इस हलफनामे में आयोग ने विपक्ष और याचिकाकर्ताओं द्वारा मीडिया रिपोर्टों के आधार पर लगाए गए आरोपों को मनगढ़ंत और भ्रम पैदा करने वाला करार दिया है। चुनाव आयोग के खिलाफ दायर उन याचिकाओं के जवाब



झारखंड हाईकोर्ट ने आपसी सहमति से तलाक का आदेश किया रद्द

शादी की तारीख और पत्नी की सहमति की होगी दोबारा जांच

शादी की तारीख में अंतर और सहमति की स्वैच्छिकता पर उठे सवाल, फैमिली कोर्ट का छह सप्ताह के भीतर पक्षकारों को पेश होने का निर्देश



संवाददाता

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने आपसी सहमति से तलाक के एक मामले में रांची फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए नए सिरे से सुनवाई का निर्देश दिया है। चतरा की चंपा कुमारी और रांची के विशांत सागर के वैवाहिक विवाद से जुड़े इस मामले में हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पाया कि विवाह की वास्तविक तारीख, तलाक के लिए पत्नी की सहमति और आर्थिक समझौते जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की पर्याप्त जांच नहीं की गई थी। अदालत ने मामले को दोबारा फैमिली कोर्ट भेजते हुए कानून के प्रावधानों के अनुरूप नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ ने एफए संख्या 121/2025 में सुनाया।

शादी की तारीख को लेकर सामने आया अंतर: रांची फैमिली कोर्ट ने 17 अगस्त 2024 को पति-पत्नी की आपसी सहमति के आधार पर विवाह विच्छेद का आदेश पारित किया था। इस आदेश के खिलाफ चंपा कुमारी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। अपील में पत्नी की ओर से

कहा गया कि उनकी शादी 21 अप्रैल 2024 को चतरा जिले के सिमरिया में हुई थी, जबकि फैमिली कोर्ट के आदेश में विवाह की तारीख 21 अप्रैल 2023 दर्ज की गई है। तलाक के लिए संयुक्त याचिका 12 जून 2024 को दाखिल की गई थी। हाईकोर्ट ने तारीखों के इस अंतर को महत्वपूर्ण मानते हुए विवाह की वास्तविक तारीख की जांच को आवश्यक बताया।

पत्नी ने देहेज प्रताड़ना समेत लगाए कई आरोप: अपीलकर्ता

पत्नी ने आरोप लगाया कि शादी के दौरान 8.51 लाख रुपये नकद और करीब पांच लाख रुपये के आभूषण दिए गए थे। इसके बावजूद बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उन्हें प्रताड़ित किया गया। पत्नी ने अस्पताल में दबाव डालकर हस्ताक्षर कराने और गर्भावस्था समाप्त होने से संबंधित आरोप भी लगाए। हालांकि, ये आरोप अपीलकर्ता की ओर से लगाए गए हैं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में इन्हें साबित तथ्य के रूप में घोषित

न्याय की गुहार लगाने पहुंची आदिवासी महिला ने थाने में की आत्महत्या की कोशिश, पुलिस की कार्यशैली से थी नाराज

12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने का आरोप, महिला एमजीएम अस्पताल में भर्ती



घाटशिला (पूर्वी सिंहभूम): पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित गांलुडीह थाना परिसर में सोमवार को एक आदिवासी महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की। महिला जमीन विवाद के मामले में न्याय की गुहार लगाने थाने पहुंची थी। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने और पुलिस की कार्यशैली से नाराज महिला ने थानेदार के सामने ही यह कदम उठाया। घटना के बाद थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल महिला को जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जमीन विवाद में 12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी: प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ाखुशी गांव की रहने वाली महिला का कुछ लोगों के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पीड़िता ने इस मामले में पहले ही 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महिला का आरोप है कि गंभीर शिकायत के बावजूद पुलिस ने अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। उसने यह भी आरोप लगाया कि प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराएं नहीं जोड़ी गई हैं। इसी से नाराज होकर वह न्याय की मांग करने थाने पहुंची थी। थानेदार के सामने उठाया आत्मघाती कदम: सोमवार को महिला गांलुडीह थाने पहुंची और थाना प्रभारी अंकु कुमार के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की। वह आरोपियों के खिलाफ तत्काल



में, जिनमें आरोप लगाया गया था कि आयोग ने दो अन्य चुनाव आयुक्तों की मंजूरी के बिना कई फैसले लिए- जिसमें मतदाता सूची

एसडीपीओ ने जांच के बाद कार्रवाई का दिया आश्वासन

और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग कर रही थी। इसी दौरान बातचीत के बीच महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की। अचानक हुई इस घटना से थाना परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया: घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने बिना देर किए महिला को अपनी सरकारी गाड़ी से जमशेदपुर के महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) अस्पताल पहुंचाया। वहां उसका इलाज किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, महिला की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। घटना के बाद जमीन विवाद और महिला की शिकायत से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच भी की जा रही है। पांच एकड़ से अधिक जमीन को लेकर विवाद: मामले की जड़ में पायरागुडी गांव के बिरहीगोड़ा टोला के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-33 के किनारे स्थित करीब पांच एकड़ 74 डिसमिल रैयती जमीन है। बताया जाता है कि यह जमीन स्वर्गीय मनोरंजन भूमिज की थी।

सभी एसआईआर आदेश सर्वसम्मति से लिए गए: चुनाव आयोग ने आगे बताया कि 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 को जारी किए गए रक्त आदेशों को आयोग के तीनों सदस्यों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। चुनाव आयोग ने कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले अधिकारियों और चुनाव आयुक्तों के सुझावों, विचारों और सवालों पर विचार किया जाता है। सभी जरूरी इनपुट पर गौर करने के बाद, आयोग

सभी एसआईआर आदेश सर्वसम्मति से लिए गए: चुनाव आयोग ने आगे बताया कि 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 को जारी किए गए रक्त आदेशों को आयोग के तीनों सदस्यों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। चुनाव आयोग ने कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले अधिकारियों और चुनाव आयुक्तों के सुझावों, विचारों और सवालों पर विचार किया जाता है। सभी जरूरी इनपुट पर गौर करने के बाद, आयोग



रुपये और स्त्रीधन दिए जाने की बात भी रखी गई। दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद खंडपीठ ने माना कि मामले में कानूनी प्रक्रिया के पालन और सहमति की वास्तविक स्थिति की जांच जरूरी है।

आपसी सहमति से तलाक में भी कानूनी शर्तों का पालन जरूरी: हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल मध्यस्थता के दौरान समझौता हो जाने से फैमिली कोर्ट की वैधानिक जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती। अदालत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तलाक के लिए दी गई सहमति स्वैच्छिक है और कानून की सभी आवश्यक शर्तें पूरी की गई हैं।

खंडपीठ ने यह भी रेखांकित किया कि यदि विवाह वास्तव में 21 अप्रैल 2024 को हुआ था, तो 12 जून 2024 को दाखिल तलाक की संयुक्त याचिका के संदर्भ में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13बी के तहत निर्धारित एक वर्ष अलग रहने की शर्त पर विचार करना आवश्यक होगा। फैमिली कोर्ट को नए सिरे से जांच का निर्देश: खंडपीठ ने तलाक का आदेश रद्द करते हुए मामले को दोबारा सुनवाई के लिए

फैमिली कोर्ट भेज दिया है। अब फैमिली कोर्ट विवाह की वास्तविक तारीख, आर्थिक समझौते, पत्नी की सहमति की स्वैच्छिकता और अन्य संबंधित तथ्यों की जांच करेगा। दोनों पक्षों को आदेश की तारीख से छह सप्ताह के भीतर फैमिली कोर्ट में उपस्थित होकर अपना पक्ष और साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। कानूनी प्रक्रिया की अनदेखी पर हाईकोर्ट की टिप्पणी: हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि विवाह की वास्तविक तारीख तय किए बिना तलाक का आदेश पारित करना मामले के बुनियादी पहलुओं की अनदेखी है। खंडपीठ के अनुसार, इससे अपीलकर्ता के अधिकार प्रभावित हुए और यह वैधानिक प्रावधानों तथा पक्षकारों के अधिकारों के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है। हालांकि, तलाक का आदेश रद्द होने का अर्थ यह नहीं है कि पत्नी की ओर से लगाए गए सभी आरोप अदालत ने सही मान लिए हैं। इन आरोपों और विवाद से जुड़े अन्य पहलुओं पर अब फैमिली कोर्ट में नए सिरे से विचार किया जाएगा।

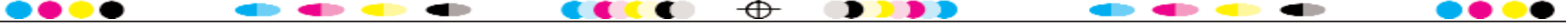
अस्पताल में नवजात का शव मुंह में दबाकर पहुंचा कुत्ता, मचा हड़कंप



संवाददाता

पलामू : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार की सुबह एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। अस्पताल परिसर में एक आवारा कुत्ता नवजात शिशु का शव मुंह में दबाकर घूमता नजर आया। इस दृश्य को देखकर अस्पताल में मौजूद मरीजों, परिजनों और कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे इलाज कराने पहुंचे एक युवक की नजर नवजात का शव लेकर घूम रहे कुत्ते पर पड़ी। इसके बाद उसने अस्पताल के कर्मचारियों और प्रशासन को इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना मिलने पर

सदस्य किसी फैसले पर पहुंचते हैं और उसी के अनुसार आदेश जारी किए जाते हैं। चुनाव आयोग में फाइलें पहले एक चुनाव आयुक्त के पास, फिर दूसरे चुनाव आयुक्त के पास और अंत में मुख्य चुनाव आयुक्त के पास भेजी जाती हैं। एक बार मंजूरी मिल जाने पर, फैसले को आयोग की फाइल में दर्ज किया जाता है और संबंधित आयुक्तों के हस्ताक्षर लिए जाते हैं। इसके बाद, चुनाव आयोग का सचिवालय उस फैसले के संबंध में अधिसूचना जारी करता है और उसे लागू करना सुनिश्चित करता है। चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त या किसी चुनाव आयुक्त द्वारा अन्य आयुक्तों या आयोग के किसी अधिकारी को दिया गया कोई भी सुझाव, विचार या सवाल, अपने आप में चुनाव आयोग का आधिकारिक फैसला नहीं माना जा सकता। आधिकारिक फैसला केवल वही होता है, जिस पर आयोग कानून द्वारा तय की गई प्रक्रिया के अनुसार पहुंचा हो।



मातृभूमि सेवा संस्थान ने ग्रामीण महिलाओं के बीच बांटे 150 हंसुए



सुरी: मातृभूमि सेवा संस्थान की ओर से सुरी-सिल्ली क्षेत्र के सुदूर ग्रामीण इलाकों भुली और जालुहोटांग में किसान महिलाओं के बीच धान कटाई के लिए नि:शुल्क हंसुओं का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम मुखिया प्रतिनिधि राहुल करमाली के हाथों संपन्न हुआ। संस्थान की ओर से भुली में करीब 80 और जालुहोटांग में लगभग 70 हंसुओं का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं को धान की कटाई के दौरान जरूरी कृषि उपकरण उपलब्ध कराना और उनके काम को आसान बनाना है।

ज्ञात हो कि भुली और जालुहोटांग क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर हैं। यहां बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार खेती-किसानी के माध्यम से अपनी आजीविका चलाते हैं। ऐसे में धान कटाई के मौसम में हंसुओं का नि:शुल्क वितरण किसान महिलाओं के लिए उपयोगी साबित होगा।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के आवेदनों की रफ्तार घटी, 26 अक्टूबर को केवल 4,704 फॉर्म-6 डिजिटाइज

रांची : झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने और विवरण में सुधार के लिए आवेदन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। इस बीच, मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने से संबंधित फॉर्म-6 के आवेदनों की रफ्तार में कमी आई है, जबकि नाम हटाने से जुड़े फॉर्म-7 के आवेदनों की संख्या बढ़ रही है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय की ओर से 27 अक्टूबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, 25 अक्टूबर तक फॉर्म-6 के कुल 8,85,843 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके थे। वहीं, 26 अक्टूबर को इस श्रेणी के केवल 4,704 आवेदन डिजिटाइज किए गए। दूसरी ओर, मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के डिजिटाइज आवेदनों की कुल संख्या बढ़कर 35,867 हो गई है।

एक दिन में फॉर्म-7 के 2,606 आवेदन डिजिटाइज: निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, 26 अक्टूबर की फॉर्म-7 के 2,606 आवेदन डिजिटाइज किए गए। वहीं, मतदाता सूची में नाम, पते और अन्य विवरणों में सुधार या स्थानांतरण से संबंधित फॉर्म-8 के कुल 5,52,767 आवेदन डिजिटाइज हो चुके हैं। इनमें से 2,195 आवेदन 26 अक्टूबर को डिजिटाइज किए गए। विदेश में रहने वाले भारतीय मतदाताओं से संबंधित फॉर्म-6ए के कुल 121 आवेदन दर्ज किए गए हैं।

31 अक्टूबर तक दावा-आपत्ति का मौका: मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने, विवरण में सुधार और स्थानांतरण के लिए दावा-आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को होना है। ऐसे में पात्र मतदाताओं के पास आवेदन करने के लिए सीमित समय बचा है।

किस काम के लिए कौन-सा फॉर्म?

फॉर्म-6: मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने के लिए।

फॉर्म-7: मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए।

फॉर्म-8: मतदाता सूची में विवरण सुधारने या पते के स्थानांतरण के लिए।

फॉर्म-6ए: विदेश में रहने वाले भारतीय मतदाताओं के पंजीकरण के लिए।
निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, निर्धारित समयसीमा के भीतर मतदाता सूची में आवश्यक बदलावों के लिए आवेदन करना जरूरी है, ताकि अंतिम मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं का सही विवरण दर्ज हो सके।

बोकारो स्टील प्लांट में काम के दौरान मोबाइल इस्तेमाल पर रोक

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन ने संयंत्र परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और औद्योगिक दुर्घटनाओं की आशंका कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जीरो टॉलरंस नियमों के तहत ठेका श्रमिकों के लिए ऑपरेशनल क्षेत्रों, शॉप फ्लोर, लाइन ऑफ फायर ज़ोन और प्रोजेक्ट साइटों पर मोबाइल फोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

सोमवार को जारी कार्यालय आदेश में प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले श्रमिकों और संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

काम के दौरान मोबाइल इस्तेमाल पर सख्ती: बीएसएल प्रबंधन के अनुसार, काम के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से श्रमिकों का ध्यान भटक सकता है। भारी मशीनों और औद्योगिक गतिविधियों के बीच यह लापरवाही गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए ठेका श्रमिकों के लिए यह प्रतिबंध लागू किया गया है।

आदेश के अनुसार, ठेका श्रमिक एक्टिव वर्क एरिया, शॉप फ्लोर, ऑपरेशनल और और प्रोजेक्ट साइट पर मोबाइल फोन न तो ले जा सकेंगे और न ही उसका इस्तेमाल कर सकेंगे। ठेकेदारों को नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी: कार्यालय आदेश में सभी विभागाध्यक्षों, नियंत्रित अधिकारियों और निष्पादन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अधीन काम करने वाले ठेकेदारों को नए नियम की जानकारी दें और इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराएं। ठेकेदारों को दैनिक टूलबॉक्स ट्रांक और इंडक्शन कार्यक्रमों के दौरान श्रमिकों को मोबाइल फोन पर लगाए गए प्रतिबंध के बारे में बताना होगा। इसके अलावा, प्रवेश द्वारों पर सूचना संबंधी नोटिस बोर्ड लगाने और फोन जमा करने के लिए रजिस्टर का अनिवार्य रूप से रखरखाव करने का निर्देश दिया गया है। हर शिफ्ट में होगा औचक निरीक्षण: नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग, नियंत्रित अधिकारी और अधिकृत पर्यवेक्षक प्रत्येक शिफ्ट में औचक निरीक्षण करेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रतिबंधित कार्यस्थलों पर मोबाइल फोन के इस्तेमाल को रोकना और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। आपात स्थिति के लिए जारी होंगे संपर्क नंबर: मोबाइल फोन पर प्रतिबंध के कारण आपातकालीन संचार व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए ठेकेदारों और संबंधित विभागों को विशेष संपर्क नंबर जारी करने का निर्देश दिया गया है। इससे जरूरत पड़ने पर श्रमिकों और संबंधित अधिकारियों के बीच संपर्क बनाए रखा जा सकेगा।

झारखंड

झारखंड में चक्रवाती तूफान अर्नब का असर 28-29 अक्टूबर को भारी बारिश का अलर्ट

16 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है हवा

रांची में स्कूल बंद रखने पर विचार, प्रशासन और बिजली विभाग अलर्ट मोड में

संवाददाता
रांची : बंगाल की खाड़ी में उठ रहे चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से झारखंड में 27 अक्टूबर की दोपहर बाद से मौसम बदलने की संभावना है। मंगलवार को राज्य के कई इलाकों में बादल छाने, हल्की से मध्यम बारिश होने और कहीं-कहीं वज्रपात की आशंका है। मौसम विभाग ने 28 और 29 अक्टूबर को राज्य के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन, बिजली विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने प्रमुख राजमार्गों पर निगरानी और पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, रांची नगर निगम ने अपनी सभी त्वरित कार्रवाई टीमों (क्यूआरटी) को अलर्ट कर दिया है। बिजली विभाग का कंट्रोल रूम मंगलवार से 24 घंटे सक्रिय रहेगा। रांची के उपायुक्त ने जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों को 28 और 29 अक्टूबर को स्कूल बंद रखने की संभावना पर विचार करने का निर्देश दिया है। हालांकि, स्कूल बंद करने के संबंध में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अधूरी सड़क और धूल से परेशान महिलाओं ने सिंहपुर चौक पर किया सड़क जाम

संवाददाता
सुरी : अधूरी सड़क और उड़ती धूल से परेशान सुरी क्षेत्र की महिलाओं ने सिंहपुर चौक पर सड़क जाम कर धरना-प्रदर्शन किया। महिलाओं ने बैनर के साथ प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। उन्होंने प्रशासन और सड़क निर्माण कंपनी से जल्द से जल्द सड़क का निर्माण पूरा कराने की मांग की। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि वे विकास कार्यों के विरोध में नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने धूल से मुक्ति दिलाने और सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की। महिलाओं ने अपनी मांगों को लेकर दस सूत्री मांगपत्र भी प्रशासन के समक्ष रखा। इसमें अधूरी सड़क का निर्माण जल्द पूरा करने, नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने, भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण रखने और उनकी गति सीमित करने जैसी मांगें शामिल हैं। सड़क पर उड़ती धूल से लोगों को हो रही परेशानी: सुरी-गोला



मुख्य सड़क के सिंहपुर चौक पर बड़े वाहनों के गुजरने से भारी मात्रा में धूल उड़ती है। इससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने सड़क जाम कर नारेबाजी की और जल्द से जल्द सड़क निर्माण पूरा करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अधूरी सड़क के कारण क्षेत्र के लोगों की लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। धूल के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। इसके बावजूद सड़क निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया है। आशवासन के बाद भी नहीं सुधरे हालात: ज्ञात हो कि इससे पहले

28 सितंबर को इसी मुद्दे पर जेएकेएम के नेताओं ने सड़क जाम किया था। उस समय सड़क निर्माण कंपनी ने एक सप्ताह के भीतर सड़क बनवा देने का आश्वासन दिया था। इसके बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया था।

हालांकि, निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी सड़क की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इससे नाराज होकर स्थानीय महिलाओं ने एक बार फिर सड़क जाम कर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिलाओं ने मांग की कि प्रशासन मामले में हस्तक्षेप करे और सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा कराकर लोगों को धूल की समस्या से राहत दिलाए।

सेल की रांची इकाइयों में सत्यनिष्ठा शपथ के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू

समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा है इस वर्ष की थीम, कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष और ईमानदारी से कर्तव्यों के निर्वहन का लिया संकल्प

संवाददाता
रांची : स्टील थर्माइटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की रांची स्थित इकाइयों में सोमवार को सत्यनिष्ठा शपथ समारोह के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 की शुरुआत हुई। यह सप्ताह 26 अक्टूबर से एक नवंबर तक समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा विषय पर मनाया जा रहा

28 से 30 अक्टूबर तक बारिश और वज्रपात की आशंका: मौसम विभाग ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग सहित आपदा प्रबंधन विभाग को 28 से 30 अक्टूबर तक मौसम खराब रहने की संभावना से अवगत कराया है। तेज हवाओं के कारण बिजली के खंभों, पेड़ों और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार, चक्रवाती तूफान अर्नब के 28 अक्टूबर को ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तट पर पहुंचने की संभावना है। इस दौरान हवा की गति 115 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसका असर झारखंड में भी देखने को मिल सकता है। राज्य में 28 अक्टूबर की दोपहर बाद से 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी बारिश और वज्रपात की आशंका है। 28 अक्टूबर की रात से लेकर 29 अक्टूबर की सुबह और रात तक तथा 30 अक्टूबर की सुबह तक बारिश और वज्रपात का दौर जारी रह सकता है। तूफान का सबसे व्यापक असर 29 अक्टूबर को देखने को मिल सकता है।

30 अक्टूबर से चक्रवाती तूफान के धीरे-धीरे कमजोर पड़ने और बिहार, उत्तर प्रदेश तथा नेपाल की ओर बढ़ने की संभावना है। झारखंड में एक नवंबर से मौसम पूरी तरह साफ होने का अनुमान है। बारिश और तेज हवाओं के कारण राज्य के तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है।

ऑरेंज अलर्ट जारी, स्कूल बंद करने पर फैसला बाकी: चक्रवाती तूफान के संभावित प्रभाव को देखते हुए मौसम विभाग ने 28 और 29 अक्टूबर को झारखंड के कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रांची जिला प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उपायुक्त मंजूनाथ भर्जंत्री ने जिला शिक्षा



पदाधिकारी (डीईओ) और जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) को स्थिति की समीक्षा कर स्कूल बंद रखने के संबंध में निर्णय लेने को कहा है। हालांकि, अभी स्कूलों को बंद करने का अंतिम आदेश जारी नहीं हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, चार नवंबर को बंगाल की खाड़ी में एक और निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, लेकिन इसका झारखंड पर खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। वहीं, दीपावली यानी आठ नवंबर के बाद बंगाल की खाड़ी में दोबारा निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के संकेत हैं। इसका असर भी झारखंड पर पड़ सकता है।

किस दिन किन जिलों में जारी रहेगा अलर्ट?

27 अक्टूबर : येलो अलर्ट रांची, खुंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज।

28 अक्टूबर : ऑरेंज अलर्ट रांची, खुंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज।

रामगढ़ में होमगार्ड बहाली

मांडू की महिला अभ्यर्थियों की दौड़ जारी, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

संवाददाता
रामगढ़ : जिले के सिद्ध-कान्हू मैदान में होमगार्ड बहाली प्रक्रिया के तहत मंगलवार को मांडू प्रखंड की महिला अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा जारी रही। जिला प्रशासन की देखरेख में बहाली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा रहा है। अब तक दौड़ का पांचवां बैच पूरा हो चुका है।

जिला प्रशासन के अनुसार, शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी सुबह से ही मैदान व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न हो और परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, शेड और चिकित्सा की व्यवस्था: बहाली प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिद्ध-कान्हू मैदान में पेयजल और बैठने के लिए शेड की व्यवस्था की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए



बनाने के लिए मैदान में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न हो और परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, शेड और चिकित्सा की व्यवस्था: बहाली प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिद्ध-कान्हू मैदान में पेयजल और बैठने के लिए शेड की व्यवस्था की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए

एंबुलेंस और मेडिकल टीम को भी तैनात किया गया है। प्रशासन की ओर से महिला अभ्यर्थियों की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अनुशासन बनाए रखने की अपील: जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से बहाली प्रक्रिया के दौरान अनुशासन बनाए रखने और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही, अभ्यर्थियों को किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की सलाह दी गई है। प्रशासन का उद्देश्य पूरी बहाली प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है।

लिए निवारक सतर्कता, प्रणालीगत सुधार और क्षमता निर्माण को महत्वपूर्ण बताया गया।

निवारक सतर्कता अभियान पर विशेष जोर: 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चल रहे तीन महीने के निवारक सतर्कता अभियान के तहत लॉबित शिकायतों और मामलों के निपटारे, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, डिजिटल पहलों तथा अनुबंध प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

यह शपथ समारोह कर्मचारियों और हितधारकों के बीच सत्यनिष्ठा तथा जिम्मेदार आचरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सेल की रांची स्थित इकाइयों ने इस आयोजन के माध्यम से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में नैतिक निर्णय लेने की संस्कृति और सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

सब-इंस्पेक्टर के बंद मकान में 20 लाख से अधिक की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई चोरों की करतूत

चुटिया के पटेल कंपाउंड में वारदात, जेवरात और नकदी लेकर फरार हुए 3-4 अपराधी; पुलिस और एफएसएल की टीम ने जुटाए साक्ष्य

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में चोरों ने अब पुलिस अधिकारियों के घरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। चुटिया थाना क्षेत्र के पटेल कंपाउंड में हजारीबाग में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर शशि गुप्ता के बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने 20 लाख रुपये से अधिक के जेवरात और नकदी की चोरी कर ली। वारदात को तीन से चार अपराधियों ने अंजाम दिया। चोरों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी गतिविधियां कैमरे में कैद हो गईं।

बंद मकान का फायदा उठाकर की चोरी: जानकारी के अनुसार, सब-इंस्पेक्टर शशि गुप्ता का मकान बंद था। इसी का फायदा उठाकर तीन से चार अपराधी घर में दाखिल हुए। उन्होंने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और



घर में रखे कीमती सामान की तलाश की। इसके बाद जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। अपराधियों ने वारदात के दौरान सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश भी की, लेकिन उनकी गतिविधियां कैमरे में रिकॉर्ड हो गईं।

घर के ताले और आलमारियां टूटी मिलीं: सब-इंस्पेक्टर शशि गुप्ता के एक रिश्तेदार ने बताया

कि सुबह घर के गेट का ताला टूटा हुआ देखकर वे अंदर गए। वहां घर के अन्य ताले भी टूटे हुए थे। आलमारियां और दीवान क्षतिग्रस्त थे तथा सभी कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने शशि गुप्ता को घटना की जानकारी दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चोरी गए जेवरात और नकदी की कुल कीमत 20 लाख

हटनिया तालाब में भव्य छठ पूजा की तैयारी तेज सुरक्षा से लेकर स्वच्छता तक होंगे पुख्ता इंतजाम

भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति की बैठक में बनी आयोजन की विस्तृत रूपरेखा, व्रतियों को निःशुल्क पूजन सामग्री और महाप्रसाद भी बांटे जाएंगे



मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के ऐतिहासिक हटनिया तालाब परिसर में भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति की महत्वपूर्ण बैठक 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित की गई। नक्षत्र वन (राजभवन के समीप) परिसर में हुई इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राजेंद्र गोप उर्फ कैला ने की। बैठक में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को भव्य, ऐतिहासिक और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, पर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष आयोजन को और अधिक व्यापक एवं व्यवस्थित बनाने की तैयारी की जा रही है, ताकि व्रतियों और

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। घाट की सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर: छठ महापर्व की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए हटनिया तालाब परिसर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। घाटों की मरम्मत, रंग-रोगन और तालाब के जल की सफाई का कार्य कराया जा रहा है, ताकि व्रतियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग और सीसीटीवी की व्यवस्था: श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर घाट के चारों ओर बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि लोग गहरे पानी में जाने से बचें। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गोताखोरों की टीम, स्थानीय पुलिस प्रशासन और समिति के स्वयंसेवकों का सहयोग लिया जाएगा। इसके अलावा, असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और स्वयंसेवकों की टीम तैनात रहेगी। आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमाएणा घाट: छठ पूजा की अवसर पर हटनिया तालाब और

नक्षत्र वन परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा, एलईडी लाइटों और तोरण द्वारा से सजाया जाएगा। इससे शाम और सुबह के अर्ध के दौरान घाट की सुंदरता बढ़ेगी और श्रद्धालुओं को बेहतर माहौल मिलेगा।

चिकित्सा शिविर और आपातकालीन सेवाएं रहेंगी उपलब्ध: व्रतियों, बुजुर्गों और अन्य श्रद्धालुओं की सहायता के लिए घाट पर हेल्प डेस्क और प्राथमिक चिकित्सा शिविर बनाया जाएगा। यहां आवश्यक दवाओं के साथ चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना है। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए एंबुलेंस सेवा की भी व्यवस्था की जाएगी।

पेयजल, चेंजिंग रूम और शौचालय की सुविधा: श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट के समीप शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। महिलाओं के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। इसके साथ ही सुलभ शौचालयों की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा,

ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निःशुल्क पूजन सामग्री और महाप्रसाद का वितरण: समिति की ओर से सामाजिक सेवा और लोककल्याण की भावना के तहत जरूरतमंदों तथा दूर-दराज से आने वाले व्रतियों के बीच निःशुल्क पूजन सामग्री, दूध और महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। समिति ने पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सहायता के लिए सदस्यों और स्वयंसेवकों से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

बैठक में ये रहे उपस्थित: बैठक में राजेंद्र कुमार (कैला), अविनाश कुमार, प्रमोद पाठक, मधुसूदन प्रसाद, राजीव कुमार साहू, अनिल सहाय, अभय तिवारी, अम्बित शर्मा, कुसुम रजक दुबे, विनोद जैसवाल, नवीन कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, आनंद कुमार, सुनील यादव (मामा), आनंद चौधरी, वार्ड के मित्र, दिलीप गोप सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में ये रहे उपस्थित: बैठक में राजेंद्र कुमार (कैला), अविनाश कुमार, प्रमोद पाठक, मधुसूदन प्रसाद, राजीव कुमार साहू, अनिल सहाय, अभय तिवारी, अम्बित शर्मा, कुसुम रजक दुबे, विनोद जैसवाल, नवीन कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, आनंद कुमार, सुनील यादव (मामा), आनंद चौधरी, वार्ड के मित्र, दिलीप गोप सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में ये रहे उपस्थित: बैठक में राजेंद्र कुमार (कैला), अविनाश कुमार, प्रमोद पाठक, मधुसूदन प्रसाद, राजीव कुमार साहू, अनिल सहाय, अभय तिवारी, अम्बित शर्मा, कुसुम रजक दुबे, विनोद जैसवाल, नवीन कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, आनंद कुमार, सुनील यादव (मामा), आनंद चौधरी, वार्ड के मित्र, दिलीप गोप सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

संवाददाता

रांची: झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा बोर्ड ने बीडीएस और एमडीएस पाठ्यक्रमों में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों को राहत दी है। बोर्ड ने स्पेशल राउंड ऑनलाइन काउंसलिंग 2026 के तहत प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट लेटर डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर से बढ़ाकर 29 अक्टूबर कर दी है। इस फैसले से अभ्यर्थियों को अपना सीट अलॉटमेंट लेटर डाउनलोड करने के लिए तीन दिन का अतिरिक्त समय मिल गया है।

इन मेडिकल और डेंटल कॉलेजों के अभ्यर्थियों को मिलेगा लाभ: तिथि बढ़ाए जाने से पांच मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों को लाभ मिलेगा। एमडीएस पाठ्यक्रम के लिए वनांचल डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, गढ़वा के अभ्यर्थी इसका लाभ उठा सकेंगे।

वहीं, एमबीबीएस पाठ्यक्रम के तहत लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल

कॉलेज एंड हॉस्पिटल, पलामू; नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, आदित्यपुर; सिद्ध कान्हू मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दुमका; और बिरसा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, खुंटी में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

बोर्ड ने अभ्यर्थियों को दी सलाह: जेसीईसीईबी ने स्पष्ट किया है कि सीट अलॉटमेंट लेटर डाउनलोड करने की तिथि में बदलाव के अलावा पहले जारी अधिसूचना की अन्य सभी शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना प्रोविजनल सीट अलॉटमेंट लेटर डाउनलोड करने और नामांकन से संबंधित निदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी गई है। बोर्ड ने अभ्यर्थियों से विस्तृत जानकारी के लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नोटिस देखने को कहा है। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर अभ्यर्थी बोर्ड के आधिकारिक ईमेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

चक्रवात के असर से हावड़ा-जगदलपुर एक्सप्रेस रद्द, झारखंड के यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

27 से 30 अक्टूबर तक हावड़ा-जगदलपुर और 28 से 31 अक्टूबर तक जगदलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस का परिचालन बंद

रांची: चक्रवाती तूफान के संभावित प्रभाव को देखते हुए रेलवे ने हावड़ा-जगदलपुर एक्सप्रेस को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया है। इससे झारखंड के टटानगर और चक्रधरपुर से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 18005 हावड़ा-जगदलपुर एक्सप्रेस 27 से 30 अक्टूबर तक रद्द रहेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 18006 जगदलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस 28 से 31 अक्टूबर तक नहीं चलेगी। यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह: रेलवे ने यात्रियों को स्टेशन के लिए रवाना होने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी है, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहा चक्रवाती तूफान अनंत मौसम की प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से झारखंड के कुछ जिलों में भी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम की स्थिति को देखते हुए यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने और रेलवे की ओर से जारी सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

डीएसपीएमयू में 200 विद्यार्थियों ने लिया भ्रष्टाचार-मुक्त समाज बनाने का संकल्प

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत सत्यनिष्ठा शपथ समारोह आयोजित कुलपति ने नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने पर दिया जोर

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के तहत सत्यनिष्ठा शपथ समारोह का आयोजन किया गया। न्यू एकेडमिक बिल्डिंग स्थित अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग के कक्ष संख्या 314 में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय सतर्कता आयोग के सहयोग से किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने ईमानदारी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार-मुक्त समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सत्यनिष्ठा को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं : कुलपति

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मनोहर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सत्यनिष्ठा को व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और जवाबदेही को अपने आचरण में शामिल करना चाहिए।

डॉ. नमिता सिंह ने नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता की शुरुआत स्वयं से होती है। वहीं, डॉ. अभय कृष्ण सिंह ने शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण और नैतिक आचरण को भी आवश्यक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी को प्राथमिकता देने की अपील की।

युवाओं से भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता अपनाने की

अपील : राष्ट्रीय सेवा योजना की निदेशक डॉ. रजनी ने समाज में नैतिकता, अनुशासन और नागरिक जिम्मेदारी का संदेश फैलाने में एनएसएस की भूमिका को रेखांकित किया।

एनएसएस समन्वयक डॉ. विनय भरत ने कहा कि युवा पीढ़ी देश के भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही अपनाने के साथ भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की भावना विकसित करने का आह्वान किया।

एनएसएस की समन्वयक डॉ. अपर्णा सिन्हा ने सत्यनिष्ठा को स्वस्थ और न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला बताया। उन्होंने नागरिकों से अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने की अपील की।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. राजेश सिंह ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने में शैक्षणिक संस्थानों और मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ: कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग की शिक्षिका अदिति ने किया। इस अवसर पर विभाग की डॉ. रश्मि, डॉ. करिश्मा परिजात, डॉ. सुप्रिया आनंद, नीलिमा, रुचिका, तस्कीन केरकेट्टा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने सत्यनिष्ठा की शपथ लेते हुए ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के मूल्यों को अपनाने तथा भ्रष्टाचार से दूर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संदेश रहा- सत्यनिष्ठा हमारी पहचान है, भ्रष्टाचार-मुक्त भारत हमारा संकल्प है।

कार्यालयक अभिरंता का कार्यालय

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला

rdsgumla123@gmail.com.

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 1712 दिनांक 22.10.2026 द्वारा अति अत्यकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- RDD/SD/GUMLA/16/2026-27 (2nd Call) जिसका पी० आर० (PR) सं०- 392303 (Rural Development) 26-27 (D) है, में अपरिहार्य कारणों से निम्न आंशिक संशोधन किया जाता है। ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 27. 10.2026 से दिनांक 30.10.2026 को अपराह्न 5:00 बजे के स्थान पर दिनांक 27.10.2026 से दिनांक- 02.11.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक एवं ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय 02.11.2026 अपराह्न 2:00 बजे के स्थान पर 04.11. 2026 अपराह्न 2:00 बजे तक पढ़ा जाय। शेष नियम एवं शर्तें यथावत् रहेगी।

कार्यालयक अभिरंता

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,

गुमला

PR 392468 Rural Development (26-27) D"

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता वृद्ध महिला लालो देवी, उम्र-करीब 70 वर्ष, पति-स्व० रामेश्वर बड़ाईक, सा०-सिमहातु सरनाटोली, थाना-महाबुआँग, जिला-सिमडेगा, राज्य-झारखण्ड केदिनांक-20.10.2026 को घर से निकली थी, जो अबतक घर वापस नहीं आई है। लापता महिला की बरामदगी अमी तकनहीं हो पायी है,जिसकी विवरणी निम्नवत् है:-

हलिया की विवरणी :-

लिंग :-स्त्री।

उम्र :-70 वर्ष।

रंग :-गोरा।

ऊँचाई :-०3 फीट ०5 ईंच।

बाल :-सफेद।

भाशा :- सादरी एवं हिन्दी।

पहनावा :-हल्का लाल रंग का साड़ी एवं हवाई चप्पल।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता महिला के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाश नं० पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा-मोबाइल नं०-9431116444

पुलिस उपधीक्षक, (गु०) सिमडेगा-मोबाइल नं०-9431706227

थाना प्रमारी, महाबुआँग-मोबाइल नं०-9608015587

पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा-मोबाइल नं०-9262998531

मानव तत्करी संबंधी टोल फ्री नं०-मोबाइल नं०-1800-3456-256

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा

PR 392527 (Simdega)26-27*D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

स्वच्छ शौचालय और प्रशासनिक अकर्मण्यता

दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ-सुथरे सार्वजनिक शौचालयों को जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा बताकर इस समस्या का कानूनी वजन बढ़ा दिया है। यह सिर्फ कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि उस रोजमर्रा की सच्चाई की स्वीकारोक्ति है, जिससे करोड़ों शहरी नागरिक हर दिन जूझते हैं। बाजार में निकली महिला, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक या बुजुर्ग-सबके लिए स्वच्छ शौचालय महज सुविधा नहीं, बुनियादी जरूरत है। अदालतों ने समय-समय पर संविधान के अनुच्छेद 21 की विस्तृत व्याख्या की है। इसमें स्वच्छ पर्यावरण, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन को शामिल माना गया है। साफ शौचालय को इसी की कड़ी मानना तर्कसंगत है। जब किसी नागरिक को शौचालय के अभाव में घंटों परेशान होने और संक्रमण के कारण बीमारी का खतरा उठाना पड़े, तो यह उसके स्वास्थ्य और गरिमा दोनों पर आघात है। महिलाओं के लिए यह समस्या और गंभीर है, क्योंकि सुविधा के अभाव में उनकी आवाजही, रोजगार और सुरक्षा प्रभावित होती है। अदालत ने ठीक ही कहा कि जिम्मेदारी सिर्फ शौचालयों के रखरखाव तक सीमित नहीं है। आबादी के अनुपात में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराना भी प्रशासन का दायित्व है। यह सुनवाई दिल्ली के संदर्भ में जरूर हो रही है, पर अदालत की व्याख्या और सुझाव देश के सभी शहरों के लिए समान रूप से जरूरी है। पिछले दशकों में सार्वजनिक शौचालय की संख्या जरूर बढ़ी है, पर यह बढ़ती आबादी और स्वच्छता के पैमाने पर पर्याप्त अब भी नहीं है। अदालत का सबसे अहम सुझाव वह है जिसमें कॉलेज और यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की टीमें बनाकर औचक निरीक्षण कराने की बात कही गई है, जिनकी रिपोर्ट पर अधिकारियों को कार्रवाई करनी होगी। इस मॉडल में दो अच्छी बातें हैं। पहली, निगरानी का दायरा सरकारी तंत्र से बाहर निकलकर समाज तक पहुंचता है। दूसरी, युवाओं को नागरिक जिम्मेदारी और जमीनी हकीकत से सीधे जोड़ने का अवसर मिलता है। मानदेय की व्यवस्था उचित है, क्योंकि स्वयंसेवा के भरोसे वाली व्यवस्थाएं अक्सर दम तोड़ देती हैं।

यह व्यवस्था तभी सार्थक होगी जब निरीक्षण रिपोर्टें पर कार्रवाई हो और इसका मैकेनिज्म धरातल पर उतरे। अदालतों के कई जनोपयोगी फैसलों की पालना का अनुभव संतोषजनक नहीं है। प्रशासनिक लाल-फीताशाही में रिपोर्टों का फाइलों में दब जाना आम है। अदालत ने जवाबदेही का स्पष्ट ढांचा तय कर इस जोखिम को कम करने की कोशिश की है। यह भी याद रखना होगा कि अदालतें निर्देश दे सकती हैं, पर शौचालय बनाने, पानी पहुंचाने और सफाई कराने का काम अंततः प्रशासन को ही करना है। विडंबना ही है कि ऐसी व्यवस्थाओं के लिए भी अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है जिनमें किसी विवाद की कोई गुंजाइश नहीं हो। आखिर शासन-प्रशासन में बैठा कौन होगा जो साफ शौचालय के महत्व से अनजान हो?

ऑनलाइन शॉपिंग में ठगी ग्राहकों के भरोसे पर चोट

ऑनलाइन शॉपिंग ने उपभोक्ताओं की पसंद के उत्पाद चुनने व उन्हें खरीदने की प्रक्रिया को आसान बनाया है। ई-कॉमर्स कंपनियां व ऑनलाइन शॉपिंग के दूसरे मंच खरीदारों को आकर्षक छूट, आसान भुगतान और घर बैठे उत्पाद पहुंचाने की सुविधा जैसे वादों से लुभाते भी हैं। इन दिनों त्योहारों के मौसम में बाजारों में तो रौनक बढ़ ही रही है तो ऑनलाइन शॉपिंग का दौर भी बढ़ रहा है। चिंताजनक तथ्य यह है कि इस सुविधा की आड़ में ठगी का कारोबार भी फल-फूल रहा है। कहीं पैकेट में सामान की जगह खाली डिब्बा मिल रहा है, तो कहीं ऑर्डर किए गए उत्पाद की जगह कुछ और भेजने के मामले आए दिन सामने आते हैं।समुचित निगरानी के अभाव में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर फर्जी कंपनियां आकर्षक विज्ञापनों और भारी छूट के जरिये ग्राहकों को लुभाने से नहीं चूक रहीं। लोग विक्रेता की विश्वसनीयता जांचे बिना ऑर्डर कर देते हैं। हालत यह है कि दो-तीन सौ रुपए के सामान में भी धोखाधड़ी होने लगी है। रकम छोटी होने के कारण लोग शिकायत नहीं करते, जिससे ठगों के हौसेले बढ़ते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल ग्राहकों को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि ई-कॉमर्स बाजार में भरोसे को भी कमजोर करती है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब शिकायत दर्ज कराना ही मुश्किल हो। स्केटमर केयर के नाम पर एआइ आधारित चैटबॉट और स्वचालित जवाब देने वाली व्यवस्थाएं आम हो रही हैं। तकनीक, कंपनियों का काम आसान कर सकती है, लेकिन ग्राहकों को समाधान के लिए अंतहीन विकल्पों में उलझना पड़ता है। इससे बचने के लिए कंपनियों को वास्तविक प्रतिनिधि से संपर्क, शिकायत की स्थिति जानने और समयबद्ध समाधान की सुविधा देनी चाहिए। ई-कॉमर्स कंपनियों को चाहिए कि वे विक्रेताओं का सत्यापन करें, सदिग्ध खातों पर निगरानी रखें और गलत या खाली पैकेट मिलने पर धन वापसी अथवा सामान बदलने की प्रक्रिया को सरल बनाएं। यह भी देखना होगा कि एआइ का इस्तेमाल शिकायतों का त्वरित समाधान करने के लिए हो, न कि ग्राहकों को मानवीय सहायता की पहुंच से दूर रखने के लिए। शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता व जवाबदेही अनिवार्य हो। उपभोक्ता संरक्षण प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करना होगा। जरूरी है कि फर्जी विक्रेताओं, भ्रामक विज्ञापनों और बार-बार नियम तोड़ने वाली कंपनियों पर कार्रवाई हो।ग्राहकों को चाहिए कि वे अनजान वेबसाइट से खरीदारी से पहले कंपनी का पता, संपर्क विवरण और वापसी नीति जांचें। रील देखकर या असाधारण छूट के लालच में भुगतान न करें। ठगी होने पर शिकायत जरूर करें, ताकि ऐसी गतिविधियों का रिकॉर्ड बने व दूसरे ग्राहक भी सतर्क हो सकें। ऑनलाइन कारोबार का विस्तार डिजिटल अर्थव्यवस्था की ताकत है, लेकिन तेज डिलीवरी और आकर्षक छूट से अधिक जरूरी ग्राहक का भरोसा है।

भारत में नशे से नुकसान की वास्तविक तस्वीर अभी दूर

गृह मंत्रालय के अनुसार 2024 में करीब 1,483 किलो कोकीन और 8,211 किलो एम्फेटामाइ-प्रकार के उत्तेजक पदार्थ जब्त हुए; 2022 में यही मात्रा क्रमशः करीब 218 और 1,224 किलो थी। यहां सावधानी जरूरी है- अधिक जब्ती का अर्थ उसी अनुपात में अधिक खपत नहीं है; यह बेहतर कार्रवाई, बड़ी खेप पकड़े जाने या तस्करी के रास्ते बदलने का परिणाम भी हो सकती है।

डॉ. मुकेश शर्मा

भारत के पास पकड़े जा रहे नशीले पदार्थों का ताजा हिसाब है। नशा-मुक्ति अभियान कितने करोड़ लोगों तक पहुंचा, यह भी दर्ज है। लेकिन किशोरों और युवाओं के बीच आज कौन-सा नशा कितना फैल चुका है और उससे देश को कितना स्वास्थ्य, कितनी पढ़ाई, कितने कामकाजी वर्ष तथा कितनी उत्पादकता गंवानी पड़ रही है- इसकी नई समग्र राष्ट्रीय तस्वीर अब भी अधूरी है। चिंता इसलिए और बढ़ती है क्योंकि बीते वर्षों में नशे की दुनिया बहुत बदल चुकी है। एक समय चर्चा शराब, गांजा, अफीम और हेरोइन तक सीमित रहती थी; आज कृत्रिम नशीले पदार्थ, नशीली दवाओं का दुरुपयोग और नए मन:प्रभावी पदार्थ तेजी से चुनौती बन रहे हैं।

भारत में नशे की सबसे विस्तृत राष्ट्रीय तस्वीर एनडीडीटीसी-एम्स के उस सर्वेक्षण से आती है जो 2018 में हुआ और जिसकी रिपोर्ट फरवरी 2019 में प्रकाशित हुई। उसमें करीब 16 करोड़ शराब, 3.1 करोड़ कैनाबिस और 2.26 करोड़ ओपिऑइड उपयोगकर्ताओं का अनुमान लगाया गया था। करीब 77 लाख लोगों को ओपिऑइड के समस्याग्रस्त इस्तेमाल के कारण मदद की

जरूरत बताई गई। 10 से 17 वर्ष के बच्चों और किशोरों में भी विभिन्न नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का अनुमान सामने आया; इनमें करीब 40 लाख ओपिऑइड और 30 लाख इन्हलेंट उपयोगकर्ता शामिल थे। लेकिन यह आज के भारत का आंकड़ा नहीं है; यह 2018 में मापे गए भारत की तस्वीर है। तब स्कूल में पढ़ने वाली पीढ़ी का बड़ा हिस्सा अब कॉलेज या रोजगार की उम्र में पहुंच चुका है। इस बीच कोविड आया, सामाजिक और डिजिटल जीवन बदला, मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां बढ़ीं और कृत्रिम नशों का बाजार भी फैला। फिर भी हाल के संसदीय उत्तरों में राष्ट्रीय स्थिति बताने के लिए उसी 2018 के सर्वेक्षण का सहारा लिया जाता रहा है। अब सरकार ने एनडीडीटीसी-एम्स को दूसरा राष्ट्रीय सर्वेक्षण सौंपा है, जिसमें राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर तक विभिन्न नशीले पदार्थों तथा उनसे पैदा होने वाली समस्याओं का आकलन किया जाना है। यह आवश्यक कदम है, लेकिन इससे एक बड़ा प्रश्न खत्म नहीं होता- क्या तेजी से बदलते नशे को केवल कई वर्षों के अंतराल पर होने वाले बड़े सर्वेक्षणों से समझा जा सकता है?

युवों का अनुभव बताता है कि निगरानी लगातार भी हो सकती है। ईएसपीएडी लगभग तीन दशकों से मुख्यतः 15-16 वर्ष के विद्यार्थियों के बीच नशे और उससे जुड़े जोखिमों का लगभग हर

चार वर्ष में अध्ययन करता है। 2024 में 37 देशों के 1,13,882 विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। इसमें केवल यह नहीं देखा जाता कि कितने किशोर नशा करते हैं, बल्कि शुरूआत की उम्र, उपलब्धता और बदलते जोखिम भी दर्ज किए जाते हैं। नए मन:प्रभावी पदार्थों के लिए वहां समयपूर्व चेतावनी व्यवस्था भी है, ताकि नया खतरा फैलने के वर्षों बाद नहीं, उभरते समय पहचाना जा सके।गृह मंत्रालय के अनुसार 2024 में करीब 1,483 किलो कोकीन और 8,211 किलो एम्फेटामाइ-प्रकार के उत्तेजक पदार्थ जब्त हुए; 2022 में यही मात्रा क्रमशः करीब 218 और 1,224 किलो थी। यहां सावधानी जरूरी है- अधिक जब्ती का अर्थ उसी अनुपात में अधिक खपत नहीं है; यह बेहतर कार्रवाई, बड़ी खेप पकड़े जाने या तस्करी के रास्ते बदलने का परिणाम भी हो सकती है। फिर भी प्रश्न बना रहता है- एजेंसियां क्या पकड़ रही हैं, इसका ताजा हिसाब है; युवा क्या इस्तेमाल कर रहे हैं, उसका उतना ताजा राष्ट्रीय हिसाब क्यों नहीं? यही प्रश्न नशा मुक्त भारत अभियान से भी पूछा जाना चाहिए। 2020 में 272 संवेदनशील जिलों से शुरू हुआ अभियान अब पूरे देश में पहुंच चुका है। अगस्त 2026 तक 30.52 करोड़ से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच हुई, जिनमें 11.87 करोड़ से अधिक युवा शामिल हैं। यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन अब अगला हिसाब

पहुंच का नहीं, असर का होना चाहिए। क्या नशा शुरू करने की उम्र बदली? क्या किशोरों में ओपिऑइड और इपहेलेंट घटे? क्या नए कृत्रिम नशे बढ़े? उपचार के बाद कितने लोग नशे से बाहर टिके रहे? लड़कियां और स्कूल-कॉलेज से बाहर के युवाओं की स्थिति क्या है? संदेश कितनों तक पहुंचा, यह उपलब्धि है; उससे कितनों का जीवन बदला, यह असली परिणाम है। पर समस्या यहीं खत्म नहीं होती। यदि हमें युवाओं में नशे की ताजा तस्वीर नहीं मालूम, तो उससे होने वाली राष्ट्रीय क्षति का पूरा हिसाब भी कैसे बनेगा? नशे की कीमत केवल अस्पताल का बिल नहीं है।

उसमें उस विद्यार्थी की छुटी पढ़ाई, उस युवक की कमाई, परिवार की खर्च होती बचत और बीमारी, अक्षमता या असमय मृत्यु के कारण खोते कामकाजी वर्ष भी शामिल हैं। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा रखता है। उसकी सबसे बड़ी ताकत युवा आबादी है, लेकिन जनसांख्यिकीय लाभार्थ केवल युवाओं की संख्या नहीं, उनके स्वस्थ, शिक्षित, कुशल और कामकाजी वर्षों का मूल्य है। इसलिए भारत को अब केवल यह नहीं गिनना चाहिए कि कितना नशा पकड़ा और कितनों तक संदेश पहुंचा। उसे यह भी जानना होगा कि खतरे को कितनी जल्दी पहचाना, कितने युवाओं को बचाया और जिसे रोक नहीं पाए, उसकी कीमत देश ने कितनी चुकाई।

काँपोर्रेट जवाबदेही के लिए कोर्ट का कड़ा संदेश

बैंक ने दिसंबर, 2016 में 3,000 करोड़ रुपए और अक्टूबर 2017 में 5,415 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी किए थे। जब 2020 में पुनर्गठन की शुरुआत हुई तो बैंक ने फिर एकाउंटिंग में मनमर्जी करते हुए मार्च, 2020 में एटी-1 बॉन्ड की पूरी 8,415 करोड़ रुपए की राशि बड़े खाते में स्थानांतरण करके उसे समाप्त कर दिया। ये लेखांकन व्यवहार अवैधानिक था और इसीलिए 13 मार्च, 2020 को केंद्र सरकार द्वारा बैंक की पुनर्गठन की अधिसूचित अंतिम योजना में एटी-1 बॉन्ड राइट-ऑफ के प्रावधान को शामिल नहीं किया था।

डॉ पीएस वोहरा

सर्वोच्च न्यायालय का यस बैंक के संबंध में बीते दिनों दिया गया निर्णय भविष्य में भारत में निवेशकों के हितों को संवोधित रखेगा और व्यवसाय में लेखांकन व्यवहारों में उनके हितों पर मनमर्जी से किए गए कुठाराघात पर एक निर्णायक दिशा-निर्देश के रूप में समझा जाएगा। 8,415 करोड़ रुपए के एटी-1 बॉन्ड विवाद में सर्वोच्च न्यायालय का 15 अक्टूबर, 2026 का फैसला बैंकिंग व्यवस्था में कानून के शासन और निवेशकों के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण पुष्टि है। शीर्ष अदालत ने मुंबई उच्च न्यायालय के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसने मार्च, 2023 में इन बॉन्ड को राइट-ऑफ करने की कार्यवाही निरस्त कर दी थी। इस फैसले ने न केवल बैंक की कार्यवाही की वैधानिकता पर सवाल उठाया, बल्कि यह भी रेखांकित किया कि वित्तीय संकट के समय नुकसान का बोझ निवेशकों पर डालने से पहले कानून और नियामकीय नियमों का पालना अनिवार्य है। इस निर्णय ने ये स्पष्ट कर दिया कि यस बैंक ने बहुत बड़े स्तर पर वित्तीय गलतियां कीं और उनके संबंध में बैंक का लेखांकन व्यवहार बहुत अनियमित पाया गया जो कि कॉर्पोरेट गवर्नेंस का उल्लंघन भी है।

बैंक ने दिसंबर, 2016 में 3,000 करोड़ रुपए और अक्टूबर 2017 में 5,415 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी किए थे। जब 2020 में पुनर्गठन की शुरुआत हुई तो बैंक ने फिर एकाउंटिंग में मनमर्जी करते हुए मार्च, 2020 में एटी-1 बॉन्ड की पूरी 8,415 करोड़ रुपए की राशि बड़े खाते में स्थानांतरण करके उसे समाप्त कर दिया। ये लेखांकन व्यवहार अवैधानिक था और इसीलिए 13 मार्च, 2020 को केंद्र सरकार द्वारा बैंक की पुनर्गठन की अधिसूचित अंतिम योजना में एटी-1 बॉन्ड राइट-ऑफ के प्रावधान को शामिल नहीं किया था। बावजूद इसके बैंक ने इसे बड़े खाते में डालकर समाप्त कर दिया। इसी के चलते मुंबई उच्च न्यायालय ने वर्ष 2023 में बैंक के इस निर्णय को स्थगित कर दिया था और अब उच्चतम न्यायालय ने भी अपने हाल के फैसले में इसी बात की पुष्टि की है।

ॐ शांति का परम रहस्य

श्रीश्री रवि शंकर

प्राचीन ऋषियों और ज्ञानियों का संदेश था कि शांति ही एकमात्र मार्ग है। भारत में हम तीन बार ओम शांति शांति शांति कहते हैं, अपने भीतर की शांति, वातावरण की शांति और राष्ट्रों के बीच की शांति। ये सभी आयाम आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। यदि किसी इमारत की नींव कमजोर हो, तो वह इमारत मजबूत कैसे हो सकती है? शांतिवत् व्यक्ति एक शांत परिवार का निर्माण करते हैं और ऐसे शांत परिवार एक शांत समाज बनाते हैं। जब तक प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में शांति स्थापित नहीं हो जाती, तब तक विश्व शांति की स्थापना होना संभव नहीं है। हर परिवार

में कुछ कठिन क्षण आते हैं जब टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है। हम अलग-अलग विचारों वाले भिन्न व्यक्ति हैं और कभी-कभी इन विचारों में टकराव होता है। परंतु जो बात हमें जोड़े रखती है, वह है अपनापन और समुदाय की भावना। हम इस अपनेपन की भावना को कैसे उत्पन्न कर सकते हैं? इसका उत्तर है, ध्यान। ध्यान हमें तनाव से मुक्त होने में सहायता करता है और हमें संपूर्ण विश्व के साथ जुड़ाव का अनुभव कराता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो हमारी सोच और हमारा दृष्टिकोण अत्यंत संकुचित हो जाता है। जब हम तनाव या चिंता से घिरे होते हैं, तो हम गलत निर्णय ले सकते हैं जिन पर हमें बाद में पछताना पड़ता है। एक शांत मस्तिष्क और स्पष्ट दृष्टि प्राप्त करने के लिए हमें विश्राम की आवश्यकता है और ध्यान वास्तव में यही विश्राम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज सबसे बड़ी

चुनौती लोगों का मानसिक स्वास्थ्य है और हम इसे प्रत्यक्ष देख रहे हैं। हम देख रहे हैं कि घरों में कलह और विवाद बढ़ रहे हैं। लोग आक्रामक स्वभाव के हो रहे हैं या फिर अवसाद का शिकार हो रहे हैं। जब आप स्वयं को शक्तिहीन और निराश अनुभव करते हैं, यही वह क्षण है जब हमें यह कहना चाहिए, मैं शांति का समर्थन करता हूं। जब प्रत्येक व्यक्ति शांति के प्रति अपना पूर्ण समर्पण दिखाएगा तब हम कभी असहाय महसूस नहीं करेंगे। प्रत्येक व्यक्ति के भीतर असीम आंतरिक शक्ति विद्यमान है। किसी भी कार्य को करने में सबसे अधिक महत्त्व इस बात का होता है कि लोग किस मानसिक अवस्था में हैं। क्या यह एक सकारात्मक और रचनात्मक मन:स्थिति है या फिर नकारात्मक और विनाशकारी। किसी भी प्रकार का निर्णय लेने में, मन:स्थिति की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है,

आपके पत्र

पर्यावरण का संरक्षण बेहद जरूरी

दुनिया आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण की गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पूरी मानवता की है, लेकिन प्रदूषण के मुद्दे पर विकासशील देशों को अक्सर कठघरे में खड़ा किया जाता है। विकसित देश भूल जाते हैं कि उन्होंने दशकों तक संसाधनों का अधिकतम दोहन कर मजबूत आर्थिक ढांचा खड़ा किया है, जिसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी दुनिया चुका रही है। यदि प्रदूषण की जिम्मेदारी तय करनी है, तो ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन को भी ध्यान में रखना होगा। कार्बन टैक्स और पर्यावरण संबंधी प्रतिबंधों के नाम पर विकासशील देशों के विकास को बाधित करना न्यायसंगत नहीं है। पर्यावरण संरक्षण व्यापारिक प्रतिस्पर्धा का हथियार नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग होना चाहिए। विकसित देशों को अपना फर्ज समझना होगा।

विनीता बंसल, रांची

न्यूज़ IN ब्रीफ

भारत की जनगणना द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ



साहिबगंज : भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्यों को सुचारू, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय जनगणना पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण जिला पंचायती राज कार्यालय सभागार साहिबगंज में प्रारंभ हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना के द्वितीय चरण से संबंधित प्रक्रियाओं तकनीकी पहलुओं व निर्धारित कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है ताकि जनगणना कार्य के दौरान कोई भी व्यक्ति गणना से वंचित न रहे और प्रत्येक स्तर पर कार्यों का सटीक एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।प्रशिक्षण के दौरान सीएमएसएस पोर्टल के उपयोग, मैपिंग प्रक्रिया, जनगणना संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों तथा विभिन्न स्तरों पर पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से संपादित करने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही जनगणना के निर्धारित मानकों का पालन करते हुए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को सावधानीपूर्वक पूर्ण करने पर बल दिया गया।जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड की ओर से प्रशिक्षक के रूप में सहायक निदेशक श्री राम भास्कर द्विवेदी एवं सांख्यिकी अन्वेषक श्री वीरेंद्र कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना के द्वितीय चरण से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान की।इस अवसर पर अपर समाहर्ता-सह-नोडल पदाधिकारी जिला जनगणना कोषांग विजय कुमार जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-अपर जिला जनगणना पदाधिकारी श्री अनिल कुमार जिला सूचना व विज्ञान पदाधिकारी-सह-उप जिला जनगणना पदाधिकारी श्री उमेश कुमार सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-चार्ज पदाधिकारी सभी कार्यपालक पदाधिकारी-सह-चार्ज पदाधिकारी एवं सभी सहायक चार्ज पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रामपुर दियारा में फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : गंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर दियारा के बलुआ टोला में एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय सुधन सिंह, पिता स्वर्गीय उल्लू सिंह, निवासी रामपुर दियारा, बलुआ टोला के रूप में हुई है। घटना रात की बताई जा रही है। युवक के दो बच्चे हैं। उसकी पत्नी अपने मायके में रहती है।घटना की जानकारी मिलने के बाद गंगा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।इस संबंध में गंगा थाना प्रभारी अरुण सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल को घटनास्थल पर भेजा गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

पुलिस की पहल 16 गुमशुदा मोबाइल बरामद वास्तविक मालिकों को सौंपे



साहिबगंज : सदर अनुमंडल क्षेत्र में पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी कर सराहनीय पहल की है। विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 16 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए।एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मोबाइल धारकों को उनके फोन लौटाए गए।बरामद मोबाइल में नगर थाना क्षेत्र के दो,जिरवाबाड़ी के आठ,मुफरसिल के दो,मिजाचीकी के दो और बोरियो थाना क्षेत्र के दो मोबाइल शामिल हैं।गुम हुए मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए पुलिस के प्रयासों की सराहना की।पुलिस की इस कार्रवाई से मोबाइल खो चुके लोगों को राहत मिली है।

जनगणना कार्य की सटीकता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करें पदाधिकारी : उपायुक्त

रामगढ़ : भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभाकक्षमें उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आधार पर देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित आंकड़े संकलित किए जाते हैं। जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए इस कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारी एवं कर्मी अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से समझें तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में सटीकता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष महत्व है। सभी चार्ज पदाधिकारी, सहायक चार्ज पदाधिकारी एवं तकनीकी सहायक प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारी को अच्छी तरह समझें तथा तकनीकी मॉड्यूल का व्यावहारिक अभ्यास करें, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा जनगणना से संबंधित प्रत्येक प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने का निर्देश दिया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिन जनगणना कार्य निदेशालय के उपनिदेशक केश्या नायक द्वारा जनगणना 2027 के द्वितीय चरण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रतिभागियों का परिचय, स्वागत संबोधन तथा जनगणना कार्य की रूपरेखा एवं संचालन प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

जिले भर में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम जरूरी : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समहरणालय सभागार ने नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खरीद-बिक्री,भंडारण सेवन पर प्रभावी नियंत्रण तथा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने मादक पदार्थों की तस्करी अवैध खरीद-बिक्री पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए पुलिस पदाधिकारियों को सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों वाले क्षेत्रों, मार्गों एवं स्थानों पर विशेष निगरानी रखते हुए नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा मादक पदार्थों की तस्करी में सलिलप व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने औषधि निरीक्षक व अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज तथा राजमहल को जिले में संचालित संदिग्ध दवा दुकानों का औचक निरीक्षण एवं जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दवाओं की बिक्री में निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित



कराया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के प्रावधानों के व अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज तथा राजमहल को जिले में संचालित संदिग्ध दवा दुकानों का औचक निरीक्षण एवं जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दवाओं की बिक्री में निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित

के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री अनियमितता अथवा प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के प्रावधानों के व अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज तथा राजमहल को जिले में संचालित संदिग्ध दवा दुकानों का औचक निरीक्षण एवं जांच करने का निर्देश दिया। साथ ही सार्वजनिक स्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों

की नियमित निगरानी एवं अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।साथ ही, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी विद्यालयों में मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं सेवन की रोकथाम को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया जाए। अभियान के माध्यम से छात्र-छात्राओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली

अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम, शपथ एवं संवादात्मक गतिविधियां आयोजित कर विद्यार्थियों में नशे के विरुद्ध जागरूकता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई केवल जांच एवं प्रवर्तन तक सीमित न रखते हुए जन-जागरूकता को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए। विशेषकर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, नशामुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने पर बल दिया गया।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह- जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अमर जॉन आइन्द अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कश्यप प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

राजनीतिक मर्यादा बनाए रखना जरूरी : बजरंगी प्रसाद यादव

राजनीति में विचारों और नीतियों को लेकर असहमति हो सकती है

संवाददाता

साहिबगंज : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे की टिप्पणी पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना स्वाभाविक है,लेकिन मतभेदों को व्यक्त करते समय नेताओं को अपनी भाषा और व्यवहार की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए।सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं के बयानों का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है इसलिए उन्हें सोच-समझकर अपनी बात रखनी चाहिए।बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री पद के प्रति सम्मान बनाए रखना लोकतांत्रिक परंपराओं और राजनीतिक

शिष्टाचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।उन्होंने कहा कि किसी भी मुद्दे पर सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है,लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र की मजबूती के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष,दोनों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद की गरिमा बनाए रखें।राजनीतिक बयानबाजी में संयम और सम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल होना चाहिए।ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए।उन्होंने नेताओं से सार्वजनिक मंचों पर ऐसी भाषा का प्रयोग करने की अपील की, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करे।श्री यादव ने कहा कि राजनीति में विचारों और नीतियों को लेकर असहमति हो सकती है।लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचते हुए मुद्दों पर चर्चा करना अधिक उचित है। उनके अनुसार,राजनीतिक मर्यादा और जिम्मेदार संवाद ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला टास्क फोर्स खनन की बैठक में अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने का निर्देश

खनन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण सीसीटीवी व्यवस्था दुरुस्त रखने व दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने पर जोर

संवाददाता

साहिबगंज : समहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स खनन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग उपस्थित थे।बैठक में जिले में अवैध खनन खनिजों के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने तथा वैध खनन गतिविधियों की निगरानी सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने जिले में संचालित सभी चेकनाकों का नियमित एवं औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। चेकनाकों पर संधारित पंजियों, सीसीटीवी कैमरों, दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति, वाहनों की संख्या, खनिजों के प्रकार तथा वाहनों के



कागजात एवं चालानों की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।चेकनाका के निरीक्षण के क्रम में सीसीटीवी कैमरा को दुरुस्त करने हेतु जानकारी दी गई। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को तत्काल निरीक्षण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी

की जा सके।बैठक में प्रवर्तन कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 के कार्यों में व्यस्तता के बावजूद प्रवर्तन संबंधी गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करें तथा इसकी नियमित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं।बालू के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी

बालू घाटों का नियमित निरीक्षण करने, अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया।इसके अतिरिक्त अवैध क्रशर, चिमनी, मिट्टी कटाव एवं बालू से संबंधित मामलों में नियमित निरीक्षण और प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में संचालित गतिविधियों की

जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा गया। अवैध खनन पट्टा क्षेत्रों में निर्धारित सीमा से अधिक खनन करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई करने तथा नियमानुसार ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने बाद प्रभावित क्षेत्रों में जलस्तर घटने के बाद अवैध मिट्टी कटाव की आशंका को देखते हुए विशेष निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया। साथ ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जबकि संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा नियमित निरीक्षण एवं कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अमर जॉन आइन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।



प्रीतम एंड पेड़ो से दर्शकों का दिल जीतने के बाद खुदियों पर निकले वीर हिरानी, शेयर कीं खास झलकियां



प्रीतम एंड पेड़ो में अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए तारीफें बटोर रहे वीर हिरानी फिलहाल थोड़ा आराम करने, अच्छे खाने का मजा लेने और दोस्तों के साथ यादगार पल बिताने में वक्त बिता रहे हैं। वीर हिरानी ने अपनी सीरीज प्रीतम एंड पेड़ो की जबरदस्त सफलता के बाद, अब खुद के लिए वक्त निकालते हुए लाइफ एंजॉय कर रहे हैं। अपने इस गेटवे से अपना फन लुक शेयर करते हुए वीर ने वेंकेशन से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। वाइब को एंजॉय करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'छुट्टियां ऐसे मना रहा हूं जैसे मुझे वापस नौकरी मिल गई हो।

वीर तस्वीरों में सर्फिंग करने से लेकर दोस्तों संग हंसी-मजाक और मजेदार खाना खाते हुए हर लुक में अपना एलिमेंट दिखाते नजर आ रहे हैं। कहना होगा कि यह एक उनके द्वारा लिया जाने वाला जरूरी ब्रेक है। खास कर के तब, जब उन्होंने प्रीतम एंड पेड़ो में बेहद शानदार तरीके से अपने किरदार को निभाया है। राजकुमार हिरानी द्वारा राजकुमार हिरानी फिल्म के बैनर तले प्रोड्यूस की गई, इस सीरीज को

अविनाश अरुण द्वारा डायरेक्ट किया गया है। इस तरह से अपने रिलीज के साथ यह 6-एपिसोड वाली सीरीज हर जगह सुर्खियों का विषय बन गई है। सीरीज के किरदारों की बात करें तो इसमें अरशद वारसी एक टेक-चैलेंज्ड कॉप यानी पेड़ो का किरदार निभा रहे हैं, जबकि वीर हिरानी ने शार्प यंग हैकर प्रीतम का रोल निभाया है। इस सीरीज में विक्रान्त मैसी, मोना सिंह और सत्यदीप मिश्रा ने भी अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीता है। जहां इस शो में सामाजिक मुद्दों को मजेदार दोस्ती और साइबर क्राइम की रोमांचक जांच के साथ दिखाया गया, वहीं अरशद वारसी और वीर हिरानी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों और क्रिटिक्स, दोनों का दिल जीत लिया। दर्शकों ने वीर को उनके नेचुरल कॉन्फिडेंस, सहज अंदाज और चार्म के साथ इस किरदार को निभाने के लिए खूब प्यार दिया। एक कमाल के प्रोजेक्ट के जरिए शानदार परफॉर्मेंस देने के बाद कहना होगा कि वीर इस वेंकेशन के हकदार हैं। इस तरह से अब वीर हिरानी हाल के समय में अपने खाली समय को खूब एंजॉय कर रहे हैं।

रामायण: 'मंगल रंग' गाने पर मचे बवाल के बीच एआर रहमान ने तोड़ी चुप्पी, आलोचना करने वालों को दिया जवाब



अमित मल्होत्रा की फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। हालांकि, रिलीज से पहले ही अब इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा और विवाद हो रहे हैं। कुछ लोगों ने वीएफएक्स और कलाकारों के कॉस्ट्यूम पर सवाल उठाए, तो कुछ गानों की आलोचना कर रहे हैं।

अब ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म के गानों को लेकर हो रही ट्रेलिंग पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि वह लोगों की आलोचनाओं पर ध्यान देने के बजाय अपने काम पर फोकस करना क्यों पसंद करते हैं।

क्या बोले एआर रहमान : हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में एआर रहमान ने कहा, 'हम अपने काम पर बहुत मेहनत करते हैं, कई बार सोचते हैं, बदलते हैं और उसे बेहतर बनाते हैं। ऐसे में उसके बाद लोगों की प्रतिक्रियाएं देखने की एनर्जी ही नहीं बचती। हम अपना काम रिलीज कर देते हैं, क्योंकि उससे पहले उसे कई बार परखा जा चुका होता है।

मेरा बेटा कई बार मुझे बताता है कि कल लोग क्या कह रहे थे और अब वही लोग माफी मांग रहे हैं। मैं उससे कहता हूं कि ठीक है, मैंने अपना काम पूरी ईमानदारी से किया है और उम्मीद करता हूं कि लोग भी इसे पसंद करेंगे।

'रावण तांडव' गाने पर भी हुई थी ट्रेलिंग: पहले फिल्म के गाने 'रावण तांडव' के संगीत की लोगों ने आलोचना की थी। हालांकि, रहमान का कहना है कि उन्होंने समय के साथ यह सीख लिया है कि लोगों की प्रतिक्रियाओं को अपने काम पर हावी नहीं होने देना चाहिए। रहमान ने कहा, 'पहले 10 साल के बाद लोग मुझसे कहते थे कि आपको वैसा ही संगीत बनाना चाहिए, जैसा आपने शुरूआती 10 वर्षों में बनाया था। लेकिन मैं 'रॉकस्टार' या 'स्लमडॉग मिलियनेयर' जैसी अपनी पुरानी सफलताओं के सहारे नहीं रह सकता। आप खुद को एक जानर रोककर नहीं रख सकते। आपको बहती नदी की तरह आगे बढ़ते रहना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'अब 'रामायण' आई है और इसके गाने पांच अलग-अलग भाषाओं में हैं। यह एक ऐसी महान कहानी है, जिस लगभग हर भारतीय जानता है। इस फिल्म के लिए गाने बनाना और भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में इस उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है।'

16 दिसंबर को गोवा में होगी आईपीएल नीलामी 15 नवंबर तक खिलाड़ियों की रिपोर्ट देगी फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली: आईपीएल 2027 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में होगी। इससे पहले सभी 10 टीमों को 15 नवंबर तक बताना होगा कि वे अपने मौजूदा खिलाड़ियों में से किन्हें साथ बनाए रखना चाहती हैं। 16 दिसंबर को ही भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे बंगलुरु में खेला जाना है। श्रीलंका की टीम 13 दिसंबर से भारत के दौरे पर रहेगी। इसमें तीन वनडे और तीन टी-20 खेले जाएंगे। पिछली तीन नीलामियां भारत से बाहर हुई थीं। 2024 में दुबई, 2025 के लिए सऊदी अरब के जेद्दा और 2026 में अबू धाबी में ऑक्शन हुआ था।

नीलामी में हर टीम के मालिकों और अधिकारियों के अलावा कोचिंग स्टाफ शामिल होता है। इतने लोगों के लिए विदेश यात्रा, होटल, परिवहन



और दूसरे इंतजाम करना खचीला होने के साथ जटिल भी होता है। इसीलिए इस बार का ऑक्शन भारत में हो रहा है। खिलाड़ियों को बनाए रखने की समय-सीमा खत्म होने के बाद आईपीएल सभी फ्रेंचाइजियों को नीलामी में

उपलब्ध खिलाड़ियों की लिस्ट भेजेगा। इसके बाद तय बजट के हिसाब से खिलाड़ियों पर बोली लगाई जाएगी। इसीलिए बीसीसीआई ने ऑक्शन और रिटेंशन के बीच में एक महीने का गैप रखा है।

शानदार रेटिंग के साथ दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है पहला प्यार दूसरी बार



कौर लूथरा और तुषार छिब्बर जैसी नई लेकिन बेहद टैलेंटेड कास्ट को लॉन्च किया है, जो

सिल्वर स्क्रीन पर जबरदस्त एनर्जी का तूफान लेकर आए हैं। अपने रिलीज के बाद से यह फिल्म मूवी

लवर्स द्वारा बेहद पसंद की जा रही है और इस तरह से यह दर्शकों द्वारा जबरदस्त रिसांस पाते हुए बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्मेंस कर रही है। अच्छे वॉर्ड ऑफ माउथ से सफलता का स्वाद चख रही यह फिल्म, हर तरफ मौजूद फैस का दिल जीत रही है। इससे यह साफ हो गया है कि फिल्म अपने साथ प्यार और रिलेट करने वाली रोमांटिक कॉमिडी लेकर आई है, जिसकी वजह से इसे थिएटर्स पर राज करते हुए देखा जा सकता है।

यह फिल्म हमें अपने साथ

सिंगर अभिषेक सिंह के घर के बाहर अंधाधुंध फायरिंग, स्कॉर्पियो में की तोड़फोड़



खड़ी स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने चार से पांच राउंड फायरिंग की। गनीमत रही कि उस समय गाड़ी में या उसके आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने मौके से तीन खोखे जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं।

सिंगर शिवकुमार विक्कू पर आरोप, पुरानी रंजिश और धमकियों का दावा: इस सनसनीखेज वारदात के बाद

अभिषेक सिंह ने भोजपुरी के ही अन्य चर्चित गायक शिवकुमार विक्कू पर सीधे तौर पर साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। दोनों गायक बिहार के जहानाबाद जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। अभिषेक का दावा है कि पेशेवर प्रतिद्वंद्विता और लोकप्रियता को लेकर उनके बीच पहले से तनाव चल रहा था। कार्यक्रमों के दौरान दोनों के बीच सार्वजनिक बयानबाजी भी हुई थी। अभिषेक का आरोप है कि उन्हें पहले भी घर पर आकर पांच राउंड गोलिएं

चलाने की धमकी दी गई थी और इसी पुरानी रंजिश के चलते इस हमले को अंजाम दिया गया। हालांकि, इन आरोपों पर फिलहाल शिवकुमार विक्कू का कोई आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है।

सीसीटीवी फुटेज आ गया है: सोशल मीडिया पर फूटा अभिषेक का गुस्सा : घटना के बाद अभिषेक सिंह ने अपनी टूटी हुई स्कॉर्पियो का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें गाड़ी की दुर्दशा साफ देखी जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखकर दावा किया कि उनके पास घटना का पुख्ता सीसीटीवी फुटेज आ चुका है, जिसे वे जल्द सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने लिखा कि उनका शक पूरी तरह सही था और अब समाज व प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई करेगा। फिलहाल पुलिस इलाके के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और मामले के सभी तकनीकी व आपराधिक पहलुओं की जांच में जुटी है।

ईटा: कब आएगा विटाबाई की बायोपिक का ट्रेलर? मेकर्स ने दी जानकारी, बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने को तैयार श्रद्धा



के नारे लगा रहे हैं। वीडियो क्लिप के बैकग्राउंड का संगीत अच्छा समा बांध रहा है।

कब जारी होगा फिल्म का ट्रेलर : श्रद्धा कपूर ने वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'बिखरेगा जलवा इस शुक्रवार। इस शुक्रवार को ईटा का ट्रेलर जारी होगा। यह फिल्म सिनेमाघरों में 4 दिसंबर को रिलीज होगी।'

टीजर में क्या है : हाल ही में अपकमिंग फिल्म 'ईटा' का टीजर जारी हुआ था। इसमें दिखाया गया था कि भाऊ गांवकर तमाशा मंडल के कार्यक्रम में ईटा की प्रस्तुति देखने भीड़ आती है। मगर, मंच पर ईटा को न देख दर्शक दीर्घा से लोग बोलते हैं, 'अरे ईटाबाई को बुलाओ।' उधर ईटाबाई बैकस्टेज नौ माह के गर्भ

के साथ दिखाई देती हैं और अपनी प्रसव प्रक्रिया खुद कर रही होती हैं। बच्चे की किलकारी सुनाई देती है और इसी के साथ ईटा चिंतित होकर कहती है, 'ऐसे नहीं जा सकते। तैयारी करनी होगी।' ऐसे वक्त में भी वह मंच पर आती हैं और अपनी दमदार प्रस्तुति देती हैं। श्रद्धा कपूर विटाबाई के किरदार में पूरी तरह ढल गई हैं।

'तूफान को नाचते देखना हो तो ईटा': प्रसव के बाद मंच पर प्रस्तुति देने को तैयार ईटा से कहा जाता है, 'अरे मर जाएगी तू।' जवाब मिलता है, 'पड़े-पड़े मरी तो बेचारी कहलाऊंगी। पर नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी।' आवाज आती है, 'तो बाजा मिसाल।'

तीसरा टी-20 मैच आज, भारत की निगाह सीरीज कब्जाने पर, न्यूजीलैंड टीम पर वापसी का दबाव



इसके बाद 2022-23 में अपने अगले दौरे में भारतीय टीम ने एकमात्र ऐसा मैच जीता जो खराब

मौसम से प्रभावित नहीं हुआ था, जबकि श्रृंखला का निर्णायक मैच टाई रहा था।

क्रश और उनसे जुड़ी स्कूल के उथल-पुथल से भरे दिनों में वापस लेकर जाती है। फिल्म की कहानी तीन पक्के दोस्तों की है जो एक सिंपल मिशन के साथ अपने स्कूल रियूनियन के लिए अपनी क्रश के सामने अपनी फिलिंग्स का इजहार करेंगे। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर लव फिल्म्स ने रेटिंग शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है:

कोई फ्लेक्स नहीं, लेकिन यह इशारा है कि आप भी अपनी

टिकट्स जल्द बुक करें। पहला प्यार दूसरी बार को आईएमडीबी रेटिंग्स में 8.1/10 मिला है, जबकि बुक माय शो पर इसे 8.9/10 की जबरदस्त रेटिंग मिली है। यह देखते हुए कहना गलत नहीं होगा कि यह फिल्म सबसे अच्छी रिव्यू हासिल करने वाली हालिया रिलीज में से एक है। अब बीतते समय के साथ जैसे जैसे वार्ड आफ माउथ से फिल्म को मजबूती मिल रही है, यह कहा जा सकता है कि रोमांटिक कॉमिडी ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक खास जगह बना दी है।



सलमान के बाद आमिर खान भी थे शूटर्स की हिट लिस्ट में, घर पर एक्टर नहीं मिले तो टाइगर श्राफ पर दार्जी गोलियां

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को लेकर जांच एजेंसियों और सुरक्षा हलकों से एक बेहद सनसनीखेज खुलासा सामने आया है। मुंबई में हाल ही में सामने आए फायरिंग और गैंगवार के मामलों की पड़ताल के दौरान पता चला है कि अभिनेता सलमान खान के बाद शूटरों की हिट लिस्ट में आमिर खान का नाम भी प्रमुखता से शामिल था। चौकाने वाली बात यह है कि हमलावर बांद्रा स्थित आमिर खान के पुराने आवास की रेकी करने भी पहुंचे थे, लेकिन वहां अभिनेता के न मिलने के कारण उनका खोफनाक मंसूबा नाकाम हो गया। इसके बाद शूटरों ने अपना प्लान बदला और दूसरे टारगेट के रूप में टाइगर श्राफ को निशाना बना डाला।

बांद्रा छोड़कर साउथ मुंबई शिफ्ट हो चुके थे आमिर, शूटरों का दांव पड़ा उल्टा: सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ी रिपोर्ट्स के अनुसार, शूटरों ने आमिर खान पर हमले की साजिश रचते हुए उनके बांद्रा स्थित आवास की कई दिनों तक रेकी की थी ताकि उनकी गतिविधियों और आवाजगही के समय की जानकारी जुटाई जा सके। हालांकि, हमलावरों को इस बात की भनक नहीं थी कि आमिर खान पहले ही बांद्रा छोड़कर साउथ मुंबई (दक्षिण मुंबई) में शिफ्ट हो चुके हैं। जिस वक्त शूटर बांद्रा में घात लगाकर मौके की तलाश कर रहे थे, वहां आमिर मौजूद ही नहीं थे। अपने प्राथमिक टारगेट का पता न चलने पर गैंग ने रणनीति बदलते हुए दूसरे स्टार्स की तरफ रुख किया।

आमिर नहीं मिले तो टाइगर श्राफ पर दार्जी गोलियां, बाल-बाल बची जान: आमिर खान के ठिकाने पर न मिलने के बाद शूटरों ने अपने बैकअप प्लान के तहत एक्शन स्टार टाइगर श्राफ को निशाने पर ले लिया। बीते दिनों जब टाइगर श्राफ फिल्म के जुहू इलाके में फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे, तब बाइक सवार तीन शूटरों ने उनकी बीएमडब्ल्यू कार पर अंधाधुंध कई राउंड गोलिएं बरसा दी थीं। उस हमले में टाइगर श्राफ बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक अन्य राहगीर को गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उस फायरिंग की जिम्मेदारी कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों ने ली थी।

शाहरुख, अमिताभ और अक्षय कुमार भी रडार पर? बॉलीवुड में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर : सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई फायरिंग के बाद अब आमिर खान और टाइगर श्राफ से जुड़े इन खुलासों ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। जांच के दौरान सामने आया है कि सिंडिकेट से जुड़े गिरोहों की रडार पर शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार जैसे दिग्गज सितारे भी संभावित निशाने के तौर पर शामिल रहे हैं। मुंबई पुलिस और खुफिया एजेंसियां इन सभी इनपुट्स की गहनता से तपस्तीश कर रही हैं और एहतियात के तौर पर बॉलीवुड के तमाम ए-लिस्टर सितारों के आवासों व आवाजाही के रूटों पर सुरक्षा घेरा और कड़ा कर दिया गया है।

अब श्रेयस अय्यर की अगवाई वाली टीम सुनिश्चित करना चाहेगी कि जसप्रीत बुमराह (जिन्हें आराम दिया गया है) और हार्दिक पांड्या (जो लंबे समय से चोट के कारण बाहर हैं) की अनुपस्थिति के बावजूद उनका अजेय रिकॉर्ड बरकरार रहे। क्राइस्टचर्च में खेले गए शुरुआती दो मैचों में बड़े लक्ष्य हासिल करने के बाद टीम निश्चित रूप से सही राह पर दिख रही है। हालांकि, भारत के लिए चुनौती आसान नहीं है, क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी और इसके अलावा यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना भी आसान नहीं होगा। भारतीय टीम को तीन तरफ से खुले बेसिन रिजर्व ग्राउंड पर अकसर चलने वाली तेज हवाओं से निपटना होगा। क्या इस तरह की परिस्थितियों को देखते हुए अंतिम एकादश में कोई रणनीतिक बदलाव किया जाएगा, इस बारे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कोई खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर को बिना दबाव में आए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लय हासिल करने की जरूरत है। भुवनेश्वर को हालांकि बेसिन रिजर्व की परिस्थितियां रास आ सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

सड़कों पर अशांति नहीं फैलाते भारतीय, बर्लिन में बोले पीयूष गोयल, दूसरे देशों में पसंदीदा हैं हमारे लोग



एजेंसी/बर्लिन: केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय शांतिप्रिय होते हैं और सड़कों पर उतरकर समाज में अशांति नहीं फैलाते। उन्होंने कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीय परिवार के साथ रहते हैं और उनकी देखभाल करते हैं। गोयल ने यह बात सोमवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत के दौरान कही। उनकी

यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब फ्रांस, इटली समेत यूरोप के कई देशों में सरकारों के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत में भी चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है। पीयूष गोयल ने कहा कि किसी दूसरे देश में रहने वाले समुदाय का सम्मान इस बात से भी तय होता है कि वहां के लोग उसे किस नजर से देखते हैं।

भारतीय समुदाय को दूसरे देशों में काफी पसंद किया जाता है और उसका स्वागत किया जाता है। गोयल ने कहा कि दूसरे देशों के लोग जानते हैं कि भारतीय तोड़फोड़ में शामिल नहीं होते और सड़कों पर उतरकर समाज के लिए परेशानी पैदा नहीं करते। उन्होंने यूरोप के कुछ हिस्सों में जारी प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय शांतिप्रिय है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि कुछ अपवाद हो सकते हैं, जो उनके नियंत्रण से बाहर हैं। बीजेपी नेता ने विदेशों में रहने वाले भारतीयों से भारत के बच्चों के लिए नए अवसर तैयार करने में मदद करने की अपील भी की। गोयल 22 से 24 अक्टूबर तक जर्मनी के आधिकारिक दौरे पर थे। इस यात्रा का मकसद भारत और जर्मनी के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना था।

अमृतसर में आप सरपंच के बेटे की गोलियां मारकर हत्या, दोस्त भी घायल,पुरानी रंजिश में हुई वारदात



अमृतसर : पंजाब के अमृतसर जिले के चीता कलां गांव में आम आदमी पार्टी (आप) की सरपंच के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने तीरथ सिंह और उसके दोस्त रणजीत सिंह पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस दौरान करीब 7 से 8 राउंड गोलियां चलाई गईं। दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीरथ सिंह की मौत हो गई। रणजीत सिंह के पैर में गोली लगी है और उसका उपचार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में वारदात के पीछे पुरानी व्यक्तिगत रंजिश सामने आई है।

एसएसपी देहाती कंवलप्रीत सिंह चाहल के मुताबिक, घटना शाम करीब साढ़े सात बजे की है। चीता कलां निवासी तीरथ सिंह अपने दोस्त रणजीत सिंह के साथ एक स्थान पर मौजूद था। इसी दौरान गांव के कुछ लोग वहां पहुंचे और दोनों पर अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। फायरिंग में तीरथ सिंह को दो गोलियां लगीं, जबकि रणजीत सिंह के पैर में गोली लगी। हमले के बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, तीरथ सिंह को बचाया नहीं जा सका। रणजीत सिंह की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

मृतक तीरथ सिंह का परिवार स्थानीय राजनीति में सक्रिय है। उसकी मां चीता कलां गांव की सरपंच हैं, जबकि उसका भाई कर सिंह आम आदमी पार्टी से जुड़ा ब्लॉक समिति सदस्य है। हालांकि, शुरुआती पुलिस वहां पहुंचे और दोनों के पीछे किसी राजनीतिक विवाद या गैंगवार की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस इसे पुरानी व्यक्तिगत रंजिश से जुड़ा मामला मानकर जांच कर रही है।

परिजनों का आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले नशा बेचने या उसकी बिक्री रोकने को लेकर भी कहासुनी हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी विवाद के चलते तीरथ सिंह और उसके दोस्त पर हमला किया गया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि हत्या की असली वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चाहल के मुताबिक, मामले में गुरजंट सिंह, गुरदित सिंह, हरकीरत सिंह उर्फ हाकी और गोरा समेत अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सीआईएफ और तकनीकी टीमों को लगाया गया है। पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एसएसपी ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अरावली की पहाड़ियों में लगी भीषण आग, 3 किमी में फैली लपटें, काबू पाने के लिए बुलाई गई एनडीआरएफ

अलवर : राजस्थान के अलवर जिले में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सरहेटा गांव के समीप अरावली पर्वतमाला की पहाड़ियों में सोमवार सुबह भड़की आग ने देर शाम तक विकराल रूप धारण कर लिया। सूखी झाड़ियों और घास में लगी यह आग तेज हवाओं के चलते करीब 3 किलोमीटर के दायरे में फैलते हुए सरहेटा और बडौल से आगे गोहा की पहाड़ी तक पहुंच गई। पहाड़ियों से उठती ऊंची लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के ग्रामीण इलाकों में हड़कंप मच गया। दिनभर की कड़ी मशक्कत के बावजूद आग पर पूरी तरह नियंत्रण न होने और रात के अंधेरे को देखते हुए प्रशासन ने मोर्चा संभालने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को मौके पर बुलाया है।

सुबह 10 बजे लगी आग, तेज हवाओं ने बढ़ाई मुश्किल: ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10 बजे सरहेटा की पहाड़ी पर अज्ञात कारणों से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। सूखी वनस्पतियों और तेज पछुआ हवाओं के संपर्क में आते ही आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया और बड़े पहाड़ी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, वन विभाग की टीमें और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों और वालंटियर्स ने भी झाड़ियों की टहनियों और पानी की मदद से आग पर काबू पाने के लिए भरसक प्रयास किए। दिनभर की मशक्कत के बाद सरहेटा और बडौद की पहाड़ियों के लगभग ढाई किलोमीटर हिस्से में फैली आग को नियंत्रित कर लिया गया था, लेकिन हवा के झोंकों ने आग की चिंगारियों को आगे धकेल दिया।

गोहा की पहाड़ी तक पहुंचीं लपटें, दमकल और प्रशासनिक अमला तैनात: देर शाम होते-होते आग के अनियंत्रित होकर गोहा की पहाड़ी तक पहुंचने की खबर से प्रशासनिक महकमे में अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए तुरंत दमकल की अतिरिक्त गाड़ियां तैनात की गईं। वन विभाग के रेंज अधिकारी और राजस्व विभाग के अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। पथरीले और दुर्गम पहाड़ी रास्तों तथा रात के घने अंधेरे के कारण राहत व बचाव कार्य में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

देश-विदेश

खड़गे के बयान पर सियासी संग्राम, बीजेपी ने पीएम के खिलाफ टिप्पणी पर देशभर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा वाले बयान को लेकर भाजपा सोमवार को देशभर में प्रदर्शन कर रही है। बिहार की राजधानी पटना में बीजेपी की महानगर इकाई ने खडगे के बयान के खिलाफ प्रदर्शन किया। लखनऊ में भी बीजेपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बीजेपी विधायक नीरज बोरा भी मौजूद रहे। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने खडगे से माफी मांगने की मांग की। वहीं, कांग्रेस के कई नेता इस मामले में सफाई देकर खड़गे का बचाव कर रहे हैं। खडगे ने रविवार को पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में यह बयान दिया था। उन्होंने तीन बार यह बात दोहराई थी। एक व्यक्ति ने कार्यक्रम के दौरान कहा था कि प्रधानमंत्री कहीं नहीं जाएंगे, जिसके जवाब में खडगे ने यह टिप्पणी की थी। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उस शब्द की पीटाई कर दी। इसी मामले को लेकर बिहार के पटना में शिकायत दर्ज हुई है। वहीं जम्मू में, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी विधायक शगुन परिहार और भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जम्मू कश्मीर अध्यक्ष अरुण प्रभात के नेतृत्व में डोगरा चौक पर विरोध



प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए और खरगे तथा राहुल गांधी के पोस्टर जलाए। वहीं सांबा, कटुआ, पुंछ, उधमपुर, राजौरी, डोडा, किश्तवाड़ और रियासी जिलों में विरोध-प्रदर्शन किए गए। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरु में भाजपा नेताओं ने फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस ने कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सी नारायणस्वामी, अश्वथ नारायण, सीपी राममूर्ति और विधान पार्षद एन रविकुमार समेत भाजपा के

कई नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें उप्परपेट पुलिस थाने ले गईं। देश के अन्य हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन हुए, जिनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और तेलंगाना शामिल हैं। झारखंड में, भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल हैं, ने रांची में कांग्रेस कार्यालय तक मार्च निकाला। कोलकाता में, पार्टी के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल के मंत्री तापस राॅय के नेतृत्व में भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं ने

खरगे की विवादित टिप्पणी के विरोध में एक रैली निकाली।

इट्स डन ब्रो, मोदी कहीं नहीं जाएगा: खड़गे की टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि इट्स डन ब्रोड्घ, मोदी कहीं नहीं जाएगा। दिल्ली बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी की मांग की। बीजेपी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, डिबर खड़गे, मोदी कहीं नहीं जाएगा। उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना गया है। उनके पास हमारे वोट हैं ब्रो, जो आपके आका को कभी नहीं मिलेगा। पटना में एक

अरुणाचल बार्डर विवाद: चीन ने खुद को बताया पाक-साफ कहा, हम आपसी समझौते का सख्ती से करते हैं पालन

भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत का रास्ता हमेशा खुला रहेगा

एजेंसी/बीजिंग: चीन ने भारत के साथ बॉर्डर पर चल रहे तनाव के बीच खुद को पाक-साफ बताया है। भारत-चीन बॉर्डर पर हाल ही में टकराव हुआ था, जिसकी काफी चर्चा रही। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को कहा कि उनके सैनिक बॉर्डर पर सामान्य पेट्रोलिंग करते हैं। चीन पूरे नियमों का ध्यान रखता है और भारत से भी यही उम्मीद करता है। अहम बात यह भी है कि आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर के बयान के बाद टकराव की खबरें बाहर आई हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसकी ओर से पेट्रोलिंग तय तौर-तरीकों के तहत ही होती है। चीन

ने दोनों देशों के बीच हुए समझौते का सख्ती से पालन किया है, साथ ही सहमतियों पर अमल भी किया है। चीन क्षेत्रीय संप्रभुता और सीमा पर स्थिरता बनाए रखने के लिए बॉर्डर वाले इलाके में नियमित पेट्रोलिंग

करता है। वह इसके प्रबंधन का काम भी करता है।

गुओ जियाकुन ने भारत के लिए कहा कि भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत का रास्ता हमेशा खुला रहेगा। चीन उम्मीद करता है कि भारत भी आपसी

सहमतियों का ध्यान रखेगा और शांति बनाए रखने के लिए मजबूत कदम उठाएगा। वह बॉर्डर परिया में इसका विशेष ध्यान रखेगा। गौरतलब है कि आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने भारत-चीन बॉर्डर पर हाल ही में बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर टकराव की स्थिति कई बार बनी है। शत्रुजीत कपूर ने यह भी कहा कि टकराव की स्थिति में भारतीय जवानों ने मजबूत से काम किया और अपनी जिम्मेदारी निभाई. उनके इस बयान के बाद सियासत भी शुरू हो गई थी। विपक्ष ने इसको लेकर केंद्र सरकार को घेरा भी था।

हूती विद्रोहियों को 1 अरब डॉलर देगा सऊदी अरब ईरान की मध्यस्थता में युद्धविराम की कोशिश

रियाद : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच युद्धविराम कराने की कोशिशें तेज होने की खबरें सामने आई हैं। इजरायली मीडिया की एक रिपोर्ट में खाड़ी क्षेत्र के राजनयिक सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि सऊदी अरब ने हूती समूह को 1 अरब डॉलर देने की पेशकश की है। बताया जा रहा है कि ईरान की मध्यस्थता में इस प्रस्ताव पर विचार किया गया, ताकि हूती विद्रोहियों के हमले रुक सकें और क्षेत्र में तनाव कम किया जा सके। हालांकि, सऊदी अरब की ओर से इस रकम के हस्तांतरण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान संभावित युद्धविराम पर बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ तेहरान पहुंचे थे। दावा किया गया कि हूती विद्रोहियों को आर्थिक सहायता देने की योजना ईरान के माध्यम से तैयार की गई है। कुछ राजनयिक सूत्रों ने यहां तक दावा किया कि सऊदी मंत्री अपने साथ हरक्वूलिस सैन्य परिवहन विमान में यह धराशि लेकर पहुंचे थे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और सऊदी अधिकारियों ने रकम सीधे भेजे जाने की बात स्वीकार नहीं की है।

इस कथित कूटनीतिक पहल के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा और तनाव कम करने के मुद्दे पर कई देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी की खबरें हैं। रिपोर्टों में तुर्किए के सऊदी रक्षा मंत्री और क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग से जुड़े प्रतिनिधियों की भागीदारी को भी इस पहल का हिस्सा बताया गया है। सऊदी विदेश मंत्रालय के अनुसार, तेहरान दौरे का उद्देश्य क्षेत्रीय तनाव कम करना, बातचीत को बढ़ावा देना और कतर तथा पाकिस्तान की मध्यस्थता कोशिशों को समर्थन देना है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच विवाद की एक



प्रमुख वजह पहले हुए समझौते की शर्तें हैं। इस व्यवस्था के तहत सऊदी अरब को हूती नियंत्रण वाले इलाकों में सरकारी कर्मचारियों के वेतन और नागरिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक सहायता देनी थी। इसके बदले हूती विद्रोहियों से हमले पूरी तरह बंद करने की अपेक्षा थी।

हूती विद्रोहियों का आरोप है कि रियाद ने समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कीं। दूसरी ओर, सऊदी अरब का रुख बताया जा रहा है कि वह सैन्य दबाव या धमकियों के आगे झुककर आर्थिक सहायता देने को तैयार नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रियाद चाहता है कि हूती विद्रोही पहले यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार से छीने गए महत्वपूर्ण क्षेत्रों को वापस सौंपें। सऊदी अरब और हूती

विद्रोहियों के बीच संभावित समझौते की चर्चा ऐसे समय में हो रही है, जब क्षेत्रीय हमलों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल प्रतिष्ठानों पर हमलों से उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, हौर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों पर हमलों और तेल परिवहन में बाधाओं ने खाड़ी क्षेत्र की स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है।

ऐसे हालात में ईरान की ओर से सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच मध्यस्थता की पेशकश को क्षेत्रीय तनाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, किसी भी संभावित समझौते की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि संबंधित पक्ष हमले रोकने, आर्थिक सहायता और क्षेत्रीय नियंत्रण से जुड़े विवादों पर किस हद तक सहमत होंगे हैं।

यह कूटनीतिक हलचल ऐसे समय में सामने आई है, जब ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। ईरान क्षेत्रीय देशों की भागीदारी वाले सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संभावित युद्धविराम न केवल यमन के संघर्ष को प्रभावित कर सकता है, बल्कि खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा, तेल आपूर्ति और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर भी इसका असर पड़ सकता है।

कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी के खिलाफ खरगे की ओर से की गई कथित टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया था।

भोपाल में बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में धक्का-मुक्की: भोपाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भाजपा नेता और कार्यकर्ता रैडक्रॉस अस्पताल के सामने इका हुए। यहां से वे पैदल मार्च करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़े, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा और भगवानदास सबनानी बैरिकेड पर चढ़ गए। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैन्नन का इस्तेमाल किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। शिवाजी नगर चौराहे पर दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए, जिससे तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की। इस दौरान हुई धक्का-मुक्की में एक कांग्रेस कार्यकर्ता के सिर में चोट लग गई। किसान कांग्रेस के नीमच जिला अध्यक्ष बालकिशन धाकड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कांग्रेस दफ्तर घेराने जा रहे कार्यकर्ता रोकें: जयपुर में भी मल्लिकार्जुन खडगे के खिलाफ बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस दफ्तर का घेराव करने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बीच रास्ते रोक़ा। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। बीजेपी प्रदेश मुख्यालय से चौमू हाउस सर्किल पर प्रदेश पदाधिकारी, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और एससी मोर्चा की ओर से नारेबाजी की गई।

चंडीगढ़ में भी आक्रोश: चंडीगढ़ में बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 33 के ऑफिस से कांग्रेस के सेक्टर 34 के दफ्तर की तरफ कूच किया। हालांकि पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए थे।

बिहार में बीजेपी ने फूँका खड़गे का पुतला: बिहार बीजेपी ने खरगे की टिप्पणी के विरोध में पटना में मार्च निकाला और उनका पुतला फूँका। बीजेपी का जन आक्रोश मार्च पटना स्थित पार्टी मुख्यालय से शुरू होकर आयकर गोलंबर पहुंचा। वहां प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी की मौजूदगी में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मल्लिकार्जुन खडगे का पुतला फूँका।

दुबई में लॉटरी ने बदली एक भारतीय की जिंदगी 1300 रुपए के टिकट से जीते 12.9 करोड़



नई दिल्ली/दुबई: किस्मत कब और कैसे बदल जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह में रहने वाले भारतीय प्रवासी किशोर पांडुरंग राव के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। करीब तीन दशक से वअए में रह रहे राव ने लॉटरी में 50 लाख दिरहम यानी लगभग 12.9 करोड़ रुपये जीत लिए।

खास बात यह है कि उनकी किस्मत का यह बड़ा तोहफा 60वें जन्मदिन से महज पांच दिन पहले मिला। इस जीत ने उनके भविष्य की योजनाओं को नई दिशा दे दी है। अब वह परिवार के साथ अधिक समय बिताने, दुनिया घूमने और वअए का गोल्डन वीजा हासिल करना चाहते हैं। लॉटरी में मिली रकम से उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिखाई दे रहा है।

किशोर पांडुरंग राव वर्ष 1993 में वअए पहुंचे थे। उन्होंने 3 अक्टूबर को आयोजित वअए लॉटरी के हलकी डेब्लू ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इसके लिए उन्होंने 50 दिरहम यानी करीब 1,300 रुपये का टिकट खरीदा। टिकट लेते समय उन्होंने ईजी पिक विकल्प चुना था, जिसमें लॉटरी के नंबर अपने आप तय हो जाते हैं।

ड्रॉ के दौरान उनके टिकट के डेज खंड के सभी छह नंबर सही निकले। इसके चलते राव ने 50 लाख दिरहम का दूसरा पुरस्कार अपने नाम कर लिया। बड़ी रकम जीतने की खबर मिलने पर उन्हें पहले विश्वास नहीं हुआ। बाद में समाचारों में अपना नाम देखने के बाद उन्होंने लॉटरी खाते में नतीजों की जांच की। पुष्टि होने पर उन्हें यकीन हुआ कि वह वास्तव में करोड़ों रुपये जीत चुके हैं। इतनी बड़ी रकम जीतने के बावजूद राव ने तुरंत अपने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी। उन्होंने पहले इस खुशखबरी को अपने तक सीमित रखा और बाद में पत्नी को बताया। यह खबर सुनकर उनकी पत्नी बेहद खुश हुई।

राव के लिए यह जीत सिर्फ

आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि परिवार के साथ बेहतर जिंदगी बिताने का मौका भी है। काम और दूसरी परिस्थितियों के कारण उन्हें लंबे समय तक अपने परिवार से अलग रहना पड़ा। अब उनकी इच्छा है कि पत्नी और बच्चे वअए में उनके साथ रहें और परिवार एक साथ समय बिता सके।

किशोर राव अब अपनी पत्नी के साथ दुनिया के अलग-अलग देशों की यात्रा करना चाहते हैं। उनकी पत्नी को भी घूमने का शौक है, इसलिए यह सपना दोनों के लिए खास है। इसके अलावा, राव लंबे समय से वअए का गोल्डन वीजा हासिल करना चाहते हैं। लॉटरी में मिली रकम से उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिखाई दे रहा है।

राव दुबई, अजमान, शाजाह और अबु धाबी जैसे शहरों में रह चुके हैं। वअए में तीन दशक से अधिक समय बिताने के बाद वह इसी देश में अपने भविष्य को और बेहतर बनाना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने अभी यह तय नहीं किया है कि जीती हुई रकम का इस्तेमाल किस तरह करेंगे। वह सोच-समझकर अपने अगले कदम उठाना चाहते हैं।

करोड़ों रुपये जीतने की खुशी के बीच राव ने लॉटरी खेलेने वाले लोगों को आर्थिक अनुशासन बनाए रखने की सलाह भी दी है। उनका कहना है कि किसी को भी अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक पैसा खर्च नहीं करना चाहिए। लॉटरी में हिस्सा लेने से पहले खर्च की सीमा तय करना जरूरी है।

राव के लिए जन्मदिन से ठीक पहले मिली यह जीत जिंदगी का यादगार तोहफा बन गई है। अब उनकी प्रार्थमिकता केवल धन जुटाना नहीं, बल्कि परिवार की जरूरतें पूरी करना, पत्नी और बच्चों के साथ समय बिताना और वर्षों से देखे जा रहे सपनों को पूरा करना है।

